हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 35.2 डिग्री

न्यूनतम 18.0 डिग्री

12 सड़क पर मवेशियों की वजह से नहीं रुक ...

13 धूल के गुब्बार के बीच आवागमन दुकान ...

नवरात्रि विशेष

षष्ठमः कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में महर्षि कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्होंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने - अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषसुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है।

हर साल की दिक्कत लेकिन, स्थानीय प्रशासन ध्यान दे रहा, न ही सिंचाई विभाग

सिंचाई विभाग की बड़ी लापरवाही, बिना तैयारी छोड़ा पानी डबरा पारा, रेलवे कॉलोनी सहित निचली बस्तियां जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले के निस्तारी तालाबों को भरने के लिए तांदुला जलाशय से पिछले दिनों पानी छोड़ा गया है।

नहर और बड़ी नालियों के रास्ते यह पानी तालाबों तक पहुंचाया जा रहा है। ताकि गिरते भूजल स्तर को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही तालाबों को सूखने से बचाया जा सके। जानकारी के मुताबिक 900 तालाबों को भरने के लिए पानी छोड़ा गया है। वर्तमान में इसकी वजह से भिलाई और भिलाई-चरोदा क्षेत्र में नहर किनारे बसी कॉलोनियों जलमग्न हो गई हैं। सबसे ज्यादा परेशानी भिलाई के लक्ष्मण नगर, गणेश नगर, रिसाली, रुआबांधा क्षेत्र में सामने आई है। इसी प्रकार भिलाई-चरोदा के डबरापारा और रेलवे कॉलोनियों के लोगों को जलभराव की वजह से परेशानी उठानी पड़ रही है भिलाई-चरोदा के वार्ड 12 डबरा पारा में बाजार चौक की गली में पानी जमा हो गया है। इसके अलावा रेलवे कॉलोनी भिलाई तीन में भी जलभराव हो गया। स्थानीय लोगों की मानें तो नहर की सफाई नहीं होने और मरम्मत कार्य अधूरा रहने के कारण पानी सड़कों से होते हुए घरों में घुस गया। इससे करीब एक किलोमीटर क्षेत्र के निवासरत लोग परेशान हैं। रविवार की सुबह से पानी घुसना शुरू हुआ। सोमवार को भी जल स्तर कम ज्यादा होते रहा। नहर का पानी छलक कर सड़कों से होते हुए सीधे घरों में घुस रहा है। कई रेल कर्मियों के घरों में पानी भरने से घरेलू सामान भी भीग गए।

तांदुला की नहर में फैली जलकुंभी को नहीं हटाया गया

लोगों का कहना है कि तांदुला शाखा नहर में करीब 1 किलोमीटर तक जलकुंभी फैली हुई है। लंबे समय से नहर की सफाई नहीं की गई थी। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने बिना सफाई कराए ही नहर में पानी छोड़ दिया। इसके कारण पानी का बहाव रुक गया और पानी बाहर फैलने लगा। बताया जा रहा है कि सिरसा अंडरब्रिज के पास रिपेयरिंग का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। यहां से पानी को चरोदा की ओर जाने से रोक दिया गया है। पानी का रास्ता बंद होने के कारण नहर का पानी रेलवे कॉलोनी के पास से बाहर निकलकर सड़कों और घरों में भर गया।

कॉलोनियों में भरा नदी का पानी, लोगों के घरों के अंदर तक जलभराव।

स्थानीय प्रशासन की बड़ी लापरवाही की वजह से लोग परेशान

स्थानीय लोगों के मुताबिक पहले से नहर की सफाई कर दी जाती और रिपेयरिंग का काम पूरा होने के बाद पानी छोड़ा जाता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। टंकियों के ओवरफ्लो का पानी जाता है। नहर में रेलवे कॉलोनी के पास भिलाई-3 स्टेशन के नजदीक पानी सप्लाई के लिए रेलवे की ओवरहेड टंकियां बनी हुई हैं। इन टंकियों से ओवरफ्लो होने वाला पानी नाली के जरिए नहर में जाता है। पुराने इंडियन ऑयल डिपो से गांधी नगर पुलिया तक नहर में हमेशा पानी भरा रहता है और जलकुंभी फैल जाती है।

नहीं हो पाई है जल उपयोगिता समिति की बैठक

हर साल निस्तारी तालाबों को भरने के लिए जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक होती है। इस बैठक में तालाबों को भरने के लिए तादुंला जलाशय से जरूरत के हिसाब से पानी की डिमांड की जाती है। इस बार नवरात्र शुरू हो गया है और तालाबों में पानी की जरूरत है। लेकिन अब तक जल उपयोगिता समिति की बैठक नहीं हो पाई है। डिमांड नहीं किए जाने की वजह से नहरों की सफाई भी नगरीय निकायों ने शुरू नहीं किया है। पिछले साल वर्ष 2025 में दुर्ग भिलाई के 69 तालाबों को भरने के लिए तादुला जलाशय से 200 क्यूसेक पानी की डिमांड की गई थी।

तांदुला में 33.80, गोंदली में 32.30 और खरखरा में 27 फीट है पानी

सिंचाई विभाग के अनुसार तांदुला बांध में 33.80 फीट पानी भरा है। जनवरी में 36.30 फीट पानी भरा था। इस लिहाज से जलस्तर घटते क्रम पर है। यहां की निर्धारित जलभराव क्षमता 38.50 फीट है। वर्तमान में निर्धारित क्षमता से 4.70 फीट कम पानी है। यहां का जलस्तर तीन माह में 3.30 फीट कम हुआ है। खरखरा में 27 फीट पानी है। जो निर्धारित जलभराव क्षमता से 3 फीट कम है। गोंदली बांध में 32.30 फीट पानी है। जो निर्धारित जलभराव क्षमता से 1.80 फीट कम है।

बस्तियों में भरा पानी

रविवार की सुबह तांदुला ने नहर में पानी छोड़ा था। इसके कारण बाजार चौक समेत आसपास के गलियों में पानी भर गया था। सूचना पर निगम भिलाई-चरोदा की टीम पहुंची थी। चार-पांच घंटे बाद पानी को मशक्कत कर बाहर निकाला गया। अब स्थिति सामान्य है।

-तुलसी ध्रुव, पार्षद भिलाई-चरोदा निगम

सामान्य है व्यवस्था

पानी भरने की सूचना पर टीम को भेजा गया था। डबरा पारा वार्ड का यह मामला है। पानी को पूरी तरह से बाहर निकाल दिया गया है। व्यवस्था अब पूरी तरह सामान्य है।

-डीएस सिंह राजपूत, नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, ट्रांसपोर्टर की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सड़क हादसे में ट्रांसपोर्टर की मौके पर मौत होने का मामला सामने आया है। घटना अंजोरा और टेडेसरा क्षेत्र की है। अंजोरा चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनी ने बताया कि रविवार को अंजोरा क्षेत्र के महमरा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक का शिनाख्त बलदेव बाग, राजनांदगांव निवासी हर्षदीप सिंह के रुप में हुई है। युवक रायपुर से राजनांदगांव की ओर आ रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का परखच्चा उड़ गया। मौके पर ही हर्षदीप की मौत हो गई। खबर लगने पर अंजोरा पुलिस पहुंची और घायल को अस्पताल लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि भोर की घटना है कार चलाते समय झपकी आई होगी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। हादसे का कारण जांच के बाद ही पूरा स्पष्ट हो पाएगा। मृतक ट्रांसपोर्टर था।

- अंजोरा पुलिस चौक अंतर्गत महमरा मोड़ के पास की घटना

सस्ता सस्ता सस्ता

न्यू ओम ज्वेलर्स

शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध

जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने

अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध

आज ही पधारें

सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है

- 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
- टोटल हाल मार्क जेवर
- स्पेशल पर्स, बैग फ्री
- रिपेयरिंग फ्री

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

हरिभूमि & inh 24x7

समाचार ही नहीं, विचार भीं

बढ़ते भारत की आवाज़

Presents

जिला संवाद 2026

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

प्रधान संपादक - हरिभूमि, आईएनएच

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर

जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाओं, विकास कार्यों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन

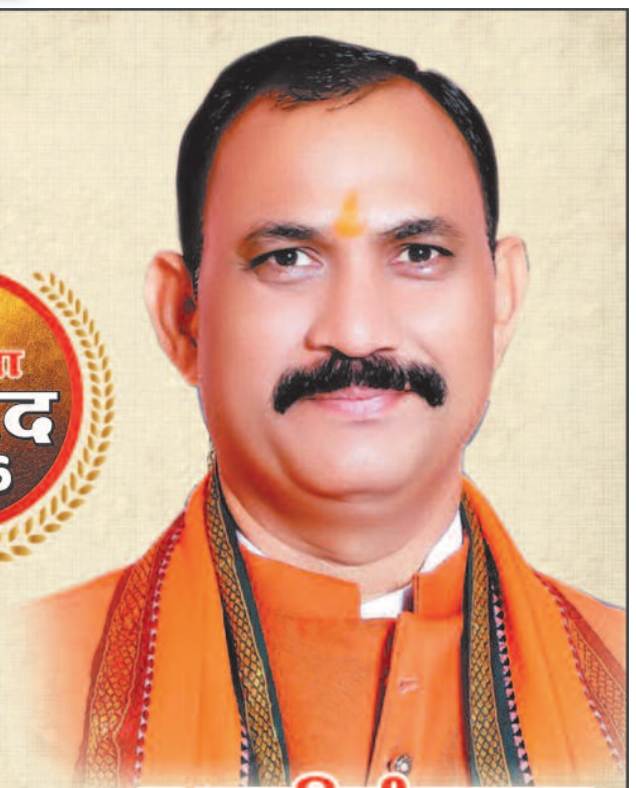

मा. श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री, छ.ग. शासन

श्री रामनरेश राय — महापौर, न.पा.नि. चिरमिरी

श्रीमती चंपा देवी पावले — जिला अध्यक्ष, भाजपा एमसीबी

श्रीमती प्रतिमा सरजू यादव — अध्यक्ष, न.पा.परि. मनेंद्रगढ़

श्रीमती यशवंती सिंह — अध्यक्ष, जिला पंचायत एमसीबी

डॉ. विनय जायसवाल — पूर्व विधायक, मनेंद्रगढ़

श्री गुलाब कमरो — पूर्व विधायक, भरतपुर-सोनहत

श्री अशोक श्रीवास्तव — जिला अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी एमसीबी

श्रीमती पूनम सिंह — युवा महिला कांग्रेस नेत्री, एमसीबी

दिनांकः 24 मार्च 2026, मंगलवार, समय : शाम 05 बजे से

कार्यक्रम स्थल : तानसेन भवन, जीएम कॉम्पलेक्स, चिरमिरी, जिला-एमसीबी (छ.ग.)

डी राहुल वेंकट — कलेक्टर, एमसीबी

श्रीमती रत्ना सिंह — पुलिस अधीक्षक, एमसीबी

इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकास को सुनिश्चित करेगी...

: सहयोग :

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल मनेन्द्रगढ़

KRISHNA RIVERFRONT PRESENT BY KRISHNA DEVELOPERS

K.B. PATEL COLLEGE CHIRIMIRI

MP: TATA PLAY 1155 | airtel 366 | hathway 229 | DEN 350 | ACN 172 | DEN MAHA 367 | SITI 359 | RCN 236 | RAJA CABLE 253 | ACN 227 | inh | जनता TV

CG: TATA PLAY 1155 | airtel 366 | hathway 222 | DG 367 | 347 | Grand NEWS 345 | SITI 314 | BCC 326 | NST 1150 | VANDE MATRAM NETWORK 397 | 478 | NEXT DIGITAL 812

एवं सभी केबल नेटवर्क पर उपलब्ध

खबर संक्षेप

प्रतिभाओं का सम्मान आज

भिलाई। समाज सेवा एवं जनकल्याण के लिए संकल्पित संस्था मां नारायणी नेशनल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा 24 मार्च को लोकांगन, वैशाली नगर में वार्षिक अधिवेशन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ में भिलाई में पहली बार हो रहे राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन को लेकर सेन समाज के लोगों में भारी उत्साह है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत कई राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सर्व सेन समाज के जिला अध्यक्ष भीखम सेन, भिलाई नगर सर्व सेन समाज के अध्यक्ष नीलकंठ श्रीवास और मां नारायणी सेन समाज दुर्ग के अध्यक्ष तेजपाल सेन ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो गई है। भावेश सेन ने बताया कि यह कार्यक्रम 24 मार्च को सुबह 10 बजे श्रीगणेश वंदना व दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैशली नगर विधायक रिकेश सेन होंगे। अध्यक्षता नायब सूबेदार (रि.) शैतानाराम गहलोत जोधपुर राजस्थान करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्राध्यापक महेश पवार जोधपुर राजस्थान होंगे।

भगवा ध्वज पूजन कर मनाया हिंदू नव वर्ष

दुर्ग। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कसारीडीह में विद्यालय के शिखर पर भगवा ध्वज पूजन कर विक्रम संवत 2083 का स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर सर्वप्रथम मां भारती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चात भगवा ध्वज का उपस्थित पूजन कर विद्यालय के शिखर पर ध्वज लगाया गया। एक दूसरे को हिंदू नव वर्ष की बधाई देते हुए मिष्ठान खिलाया गया। विद्यालय परिसर को रंगोली, तोरण, ध्वज, पताका से सजाया गया था। शाम को विद्यालय परिसर में दीपदान किया गया। इस अवसर पर शिक्षा समिति अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, समिति के कोषाध्यक्ष पूनम चंद जैन, प्राचार्य कृपा शर्मा, प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

10 करोड़ से 60 वार्डों में सड़कों का होगा सीमेंटीकरण, नाली-पुलिया भी बनेंगे

दुर्ग शहर को मिली विकास की बड़ी सौगात, जल्द शुरू होगा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग के प्रस्तावों पर राज्य शासन ने शहर के विकास को गति देने के लिए बड़ी स्वीकृति प्रदान की है। राज्य शासन द्वारा कुल 19 करोड़ 49 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है, जिससे शहर में विभिन्न अधोसंरचना कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सकेगा।

जानकारी के अनुसार, नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्तावों के तहत सड़क सीमेंटीकरण के 78 कार्यों के लिए अधोसंरचना मद में 999.85 लाख रुपये लगभग 9 करोड़ 99 लाख 85 हजार रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों के माध्यम से शहर की प्रमुख एवं आंतरिक सड़कों को मजबूत, टिकाऊ एवं सुगम बनाया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत 58 अन्य विकास कार्यों के लिए भी राज्य शासन ने 950.35 लाख रुपये लगभग 9 करोड़ 50 लाख 35 हजार रुपये की राशि मंजूर की है। इन कार्यों में नाली निर्माण, पुलिया निर्माण, जल निकासी व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचना विकास शामिल हैं। इससे खासकर बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से निजात मिलने की उम्मीद है।

चरणबद्ध तरीके से कराए जाएंगे कार्य

गौरतलब है कि 17 मार्च को राज्य शासन द्वारा कुल 136 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई, जिनमें सड़क, नाली और पुलिया निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। यह सभी कार्य नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चरणबद्ध तरीके से कराए जाएंगे।

दुर्ग शहर सुव्यवस्थित नगरी के रूप में विकसित होगा

इस स्वीकृति को शहर के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद जहां एक ओर सड़कों की गुणवत्ता में सुधार होगा, वहीं दूसरी ओर जल निकासी व्यवस्था मजबूत होने से नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं प्राप्त होंगी। नगर निगम प्रशासन का मानना है कि इन कार्यों से शहर की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी और दुर्ग शहर आधुनिक एवं सुव्यवस्थित नगरी के रूप में विकसित होगा।

दो शिफ्ट में अभियान, काऊ कैचर से मवेशी पकड़कर पहनाई जा रही रेडियम पट्टी

सड़क पर मवेशियों की वजह से नहीं रुक रहे हादसे, एक बार फिर निगम ने शुरू की कार्रवाई

डेयरी संचालकों पर होगी कार्रवाई, गोकुलधाम पहुंचाए जाएंगे मवेशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शहर की प्रमुख सड़कों पर मवेशियों का बैठना बदस्तूर जारी है। इसकी वजह से लगातार हादसे भी हो रहे हैं। बावजूद इस समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। खास बात यह है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी शासन-प्रशासन इस समस्या का निराकरण नहीं कर पाया है। सोमवार को एक बार पुनः सड़कों से इन मवेशियों को हटाने और सुरक्षा लिहाज से रेडियम पट्टी बांधने का काम शुरू किया गया।

निगम की टीम ने मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में काम शुरू किया है। काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है, जिससे यातायात बाधित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेष रूप से रात्रि के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें। इसके अतिरिक्त, नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर भी निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र में टीम भेजकर मवेशियों को पकड़कर शहर क्षेत्र के पुलगांव स्थित गोठान में सुरक्षित छोड़ा जा रहा है। इस अभियान से शहर में आवारा मवेशियों की समस्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

गोठान में शिफ्ट करने की तैयारी, शहर में अब भी सैकड़ों खटाल संचालित

निगम ने तय किया है कि पकड़े जाने वाले सभी मवेशियों को गोठान में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा डेयरी संचालकों और खटाल संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। देखने में आया है कि शहर की प्रमुख सड़कों से इन मवेशियों को गुजारा जाता है। इतना ही नहीं रात के समय उन्हें खुला छोड़ दिया जाता है, जो शहर की प्रमुख सड़कों पर जाकर विचरण करते हैं या बैठ जाते हैं, जिसकी वजह से हादसे हो रहे हैं। शहर की आउटर कॉलोनियों में इस प्रकार की शिकायतें ज्यादा सामने आई है, जिसके देखते हुए निगम ने कार्रवाई शुरू की है।

धमधा नाका और पुलगांव चौक में सबसे ज्यादा मवेशी

जानकारी के मुताबिक धमधा नाका से चिखली और पुलगांव से अंजोरा मार्ग पर सबसे ज्यादा मवेशियों को सड़क पर देखा गया है। इसके अलावा गंजपारा, नयापारा रोड, बोरसी, अग्रसेन चौक, आईएमए चौक, पोलसाय पारा चौक, चंडी मंदिर चौक, बघेरा, उरला, कातुलबोड़, पोटिया चौक के आसपास मवेशियों का जमघट देखा जा सकता है। निगम इन सभी जगहों पर कार्रवाई की तैयारी में है। सोमवार को आवारा मवेशियों पर कार्रवाई की गई।

कचरा फैलाने वाले दुकानदारों और ठेला संचालकों पर लगेगा जुर्माना

सोमवार को आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ वार्ड क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शहर के प्रमुख स्थानों राजेन्द्र पार्क चौपाटी, बस स्टैण्ड परिसर क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण और अव्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने राजेन्द्र पार्क चौपाटी में गंदगी फैलाने वालों पर तत्काल फाइन लगाने के निर्देश दिए। साथ ही वहां संचालित दुकानों के सामने लगे अतिरिक्त फ्लैक्स 2 नग को हटाने की कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बस स्टैण्ड द्वार क्षेत्र में ठेले संचालकों द्वारा कचरा फैलाने पर नाराजगी जताते हुए सभी पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बालाजी मोबाइल और पास की चाय दुकान पर भी गंदगी फैलाने के कारण फाइन करने को कहा गया। बीएसएनएल ऑफिस के पास एक टूटा हुआ पोल पाया गया, जिसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।वहीं नलघर कॉम्पलेक्स के सामने पानी के अत्यधिक बहाव को गंभीरता से लेते हुए वाल्व चेक कर समस्या का निराकरण करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान निगम के अधिकारी मौजूद थे।

कृषि विस्तार अधिकारी एकता के निलंबन को समाप्त कराने संगठन अनिश्चितकालीन धरने पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- अफीम की खेती के मामले में की गई कार्रवाई को संघ ने बताया दोषपूर्ण

समोदा में अफीम की खेती के मामले में प्रारंभिक रूप से जांच के बाद कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू के निलंबन को लेकर छग कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ ने मोर्चा खोल दिया है। पहले इस विषय को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

इसके बाद कार्रवाई को दोषपूर्ण बताते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि निलंबन के संबंध में विचार करने का आश्वाशन दिया गया था, लेकिन निलंबन अब तक निरस्त नहीं किया गया है। इसके विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में समस्त विकासखंड के सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी अपनी शत प्रतिशत उपस्थिति संख्यात्मक 95 सदस्यों की सहभागिता निभाी। इस अवसर पर लिखेश वर्मा, अमित कुमार वर्मा, ममता बंजारे, संजीव कुमार साहू सहित अन्य मौजूद थे।

दुर्ग जिला भाजयुमो की कार्यकारिणी घोषित

दुर्ग। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। उपाध्यक्ष रूपेंद्र साहू, मनीष पुनाचा, श्वेता यादव, अविनाश मिश्रा, शिशिर राठौर, उल्लास साहू, महामंत्री अनिकेत यादव, आरुणि दानी, मंत्री शुभम साहू, राजेंद्र पटेल, उमंग ताम्रकार, हर्ष चंदेल, राहुल देवांगन, आदेश कुमार, राहुल दीक्षित, कोषाध्यक्ष अभिषेक गोस्वामी, सह कोषाध्यक्ष उमेश कोटवानी, मयंक बोथरा, कार्यालय मंत्री राम फुटान, सह कार्यालय मंत्री तुषार सोनी, मीडिया प्रभारी राहुल गजभिये, साइना गायकवाड, सोशल मीडिया प्रभारी सुमित सिंह, गौरव चंदनिया, आईटी सेल आदर्श शर्मा, मानवेंद्र मोर, विधि एवं तकनीकी प्रभारी अब्दुल्लाह कुरेशी, रोहन मोटवानी, कन्या शक्ति संयोजिका विशाखा शैलजा, सह संयोजिका मनीषा चौधरी, अनन्या सिंह, प्रचार मंत्री वीर ताम्रकार, गगन सिंह, दीपक पाठक चंदन सहित अन्य की नियुक्ति की गई है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के मार्गदर्शन, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया, संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, जिला प्रभारी नंदन और अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक के अनुमोदन से यह नियुक्ति की गई है।

नेचुरोपैथी अपनाकर भारत को बनाएं विकसित राष्ट्र : डॉ. अजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- शा. सरदार पटेल पूर्व माध्यमिक शाला सभागार में महिला दिवस का आयोजन

प्राकृतिक चिकित्सा और योग के क्षेत्र में विगत 20 वर्षों से कार्यरत संस्था इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दुर्ग स्थित शासकीय सरदार पटेल पूर्व माध्यमिक शाला के सभागार में महिला दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की और स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम के संयोजक मनोज ठाकरे ने बताया कि यह आयोजन सूर्या फाउंडेशन और इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद बिरादर के मार्गदर्शन में 8 मार्च से 30 मार्च तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक भाग है। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नेचुरोपैथी चिकित्सकों ने प्राकृतिक तरीकों से स्वस्थ जीवन जीने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग, प्राणायाम एवं प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाकर अनेक रोगों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. निर्मला गुप्ता ने दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले आहार-विहार, उपवास, जल चिकित्सा तथा प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के महत्व समझाया। आर्य समाज डॉ. अजय आर्य ने कहा कि नेचुरोपैथी केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रद्धा साहू ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और प्राकृतिक उपायों को अपनाने की प्रेरणा दी। नीता चौरसिया ने पॉक्सो एक्ट के संबंध में जानकारी दी। मुख्य अतिथि समाजसेवी रजनी पाटनी ने कहा कि प्रथम सुख निरोगी काया है। हम अपने शरीर को बिना दवाइयों के प्राकृतिक चिकित्सा और योग के माध्यम से स्वस्थ रख सकते हैं।

अहीर यादव समाज ने खेली फूलों की होली, वरिष्ठजनों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

अध्यक्ष अशोक कुमार यादव की अध्यक्षता में अहीर यादव समाज दुर्ग-रायपुर संभाग में यादव समाज का होली मिलन समारोह और परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। समाज के सभी सदस्यों में फूलों से होली खेलने को लेकर उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि बिसरा राम यादव, विशिष्ट अतिथि कमल सिंह यादव, समाजसेवी पूरन चंद यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। बिसरा राम द्वारा यादव समाज समाज के उत्थान पर चर्चा की गई। कमल सिंह यादव ने समाज में लड़कियों की उच्च शिक्षा, सामाजिक एकता पर बल देते हुए कुरीतियों को दूर कर एकता की बात कही। यादव समाज के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया। समाज के सभी सदस्यों में फूलों से होली खेलने को लेकर उत्साह भी देखने को मिला। इस दौरान सचिव संजय यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ का प्रांताध्यक्ष निर्विरोध चुने गए गजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ का प्रांतीय आम सभा रविवार को शासकीय आईटीआई भिलाई में संपन्न हुआ। आमसभा में प्रांताध्यक्ष का निर्वाचन भी सम्पन्न करवाया गया।

- आमसभा में कार्यकारिणी का गठन भी किया गया

प्रांताध्यक्ष के लिए केवल एक नामांकन गजेन्द्र कुमार साहू का ही प्राप्त हुआ। वे छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए।

आमसभा में ही प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। प्रांताध्यक्ष के निर्वाचन के लिए किशोर शर्मा छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष बिलासपुर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था।

मुख्य अतिथि कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा, विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन शर्मा, प्रमुख अतिथि प्रदेश समन्वय तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जीआर चंद्रा, महामंत्री छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं नवा रायपुर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक संतोष कुमार वर्मा, महामंत्री विजय लहरे, महामंत्री हिमाचल साहू,रायपुर जिला फेडरेशन संयोजक पीतांबर पटेल उपस्थित थे। संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार साहू, महासचिव गोविंद देवांगन, कोषाध्यक्ष जागृति दीवान, मीडिया प्रभारी नमिता निषाद, केवल राम वर्मा, हितेंद्र कुमार साहू, चंद्रकांत साहू आदि मौजूद थे।

सांसद विजय बघेल की पत्नी रजनी बघेल कार्यक्रम में हुईं शामिल

खंडेलवाल समाज का होली मिलन, महिलाओं ने दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

खंडेलवाल दिगंबर जैन सभा मोहनलाल बाकलीवाल स्मृति भवन में समिति के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों ने फूलों की पंखुड़ियां के होली खेली। सखी ग्रुप और प्रगति महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल की पत्नी रजनी बघेल थीं। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए। भगवान महावीर स्वामी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मनोज पहाड़िया, निर्मला विनयके, प्रदीप बाकलीवाल, सोमेश बाकलीवाल, साधना जैन बाकलीवाल ने बताया कि आयोजन में बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु शामिल हुए। निश्चल जैन में होली के संगीत से समां बांधा।

अध्यक्ष महावीर प्रकाश ने महापौर नीरज पाल को निवेदन करते हुए ज्ञापन दिया कि बाकलीवाल भवन के समक्ष पेवर ब्लॉक लगाया जाए। मानव सेवा परिषद सेक्टर 9 में विशुद्ध वाटिका सरोवर का नामकरण के साथ सौंदर्यीकरण किया जाए।

अतिथियों का किया गया सम्मान

नीरज पाल ने कहा कि जिस महापुरुष के नाम पर यह मोहनलाल बाकलीवाल भवन का निर्माण हुआ है, उन्होंने जीवन पर्यंत अपना योगदान भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए दिया। धीरज बाकलीवाल ने भी मोहनलाल बाकलीवाल के नामकरण का बोर्ड सेक्टर 8 पुल पर लगाए जाने के लिए समिति की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। रजनी बघेल बघेल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रवीण छाबड़ा, ज्ञानचंद, संतोष, सोमेश बाकलीवाल, विमल शाह, सुशील, अनिल बाकलीवाल, भारत जैन सहित अन्य मौजूद थे।

रेलवे कर्मियों ने बढ़ाया मदद का हाथ आज उठेगी गरीब की बेटी की डोली

भिलाई। रेलवे में कार्यरत दो कर्मियों की पहल पर एक गरीब परिवार की बेटी की डोली शान से उठेगी। खुर्सीपार का यह गरीब परिवार अपनी बेटी की शादी में यथोचित खर्च करने में असमर्थ था। ऐसे में रेलवे में कार्यरत जे डी खांन और दीपक कुमार ने जरूरी मदद कर मानवता की मिसाल पेश की है। ऐसे नेक कार्य न केवल एक पारिवारिक खुशियां लौटी है बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत हुई है। खुर्सीपार में यह विवाह समारोह 24 मार्च की शाम को होना है।

जे डी खांन और दीपक कुमार ने बताया कि सरकारी नौकरी में अपने कर्तव्य के साथ-साथ समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का समय-समय पर बखूबी निर्वहन करते रहे हैं। इसके पहले भी दोनों दोस्त वे हर साल गरीब बेटियों की शादी में दानदाताओं की मदद से राशन सामग्री देकर मदद करते हैं, ताकि किसी की खुशियों में कोई कमी न रह जाए।

न्यायालय तहसीलदार बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-202603102700003 / अ-27 / वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक योगेन्द्र कुमार दिल्लीवार आत्मज परमानंद दिल्लीवार, निवासी-ग्राम अर्जुनी, तहसील डोगरगांव, जिला राजनांदगांव के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम बोरी, प.ह.नं.- 04, तहसील बोरी स्थित पैतृक भूमि खसरा नंबर- 122/2, 753 रकबा क्रमशः 0.40, 1.21 हे. कुल खसरा नंबर- 02 कुल रकबा 1.61 हे. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदक एवं अनावेदकगण/खातेदार के नाम पर शामिलात भूमिस्वामी हक में दर्ज है, उक्त आवेदित भूमि को आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य खाता विभाजन कर पृथक-पृथक ऋण पुस्तिका जारी कर प्रदाय किये जाने हेतु अपने आवेदन पत्र के साथ खसरा बी-1 एवं अन्य दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न कर इस न्यायालय में पेश किया है, जोकि इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त वादभूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या दावा हो तो वे स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई तिथि 10.04.2026 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बोरी

खबर संक्षेप

नाचा गम्मत महोत्सव को लेकर हुई बैठक

अंडा। नाचा गम्मत महोत्सव के संयोजक रुपेश देशमुख नई दिल्ली से सम्मानित जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वारा लंबे

समय से लोक कला के संरक्षण संवर्धन के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ी भाषा के अपनी बहुमूल्य संस्कृति को समेटे हुए हमारी नाचा गम्मत धरोहर है। जिसमें हमारे प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा अपनी हास्य अकादमी से प्रदेश को विभिन्न संस्कृति एवं संरक्षण संवर्धन के लिए प्रदेश के 450 नाच पार्टियों को एक साथ जोड़कर महोत्सव की तैयारी आयोजन को लेकर प्रदेश स्तरीय नाचा गम्मत लोक कल्याण संघ के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक 23 मार्च को ग्राम अंडा में किया गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 का आयोजन आज

अंडा। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर 24 मार्च को ग्राम अंडा में 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत ब्लॉक स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य टी.बी. उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं निरामय अभियान को सफल बनाना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष अपिवि क्षेत्र, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि कुलेश्वरी देवांगन जनपद अध्यक्ष दुर्ग, आशा मिश्रा जिला पंचायत सदस्य दुर्ग, अजीत चंद्राकर जनपद सदस्य अंडा, दिनेश्वर देशमुख अध्यक्ष निकुम अंडा मंडल एवं विवेक विजय सिन्हा सरपंच ग्राम पंचायत अंडा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए खंड चिकित्सा अधिकारी निकुम (दुर्ग) एवं समस्त ग्रामवासी अंडा द्वारा सभी नागरिकों से उपस्थिति की अपील की गई है। यह जानकारी डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन ने दी।

108 घरों में यज्ञ कराने का संकल्प

डोंगरगांव। गायत्री परिवार द्वारा जन्म शताब्दी संकल्प कार्यक्रम अंतर्गत गांव-गांव एवं घर घर में गायत्री यज्ञ कराया जा रहा है। इसी क्रम गोडलवाही में बुंदेश्वरी साहू एवं डॉ दिग्विजय साहू के प्रयास एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं के सहयोग से 24 घरों में यज्ञ कराया गया।

सिक्स लेन सड़क ठेकेदार की लापरवाही से ग्रामीण परेशान

धूल के गुब्बार के बीच आवागमन, दुकान चलाने और रहने को मजबूर हैं लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭|सेलूद

सेलूद सहित आसपास के गांवों से गुजरने वाली सड़कें उन गांवों के किसानों व राहगीर के लिए अभिशाप साबित हुआ है। सड़क निर्माण के पहले लोग नव निर्माण व मुआवजा राशि की बात सुनकर बहुत प्रसन्न हुए थे लेकिन सड़क निर्माण शुरु होने और जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरु होने के साथ ढेरों मुसीबतों की शुरुआत शुरु हो गई है। सबसे पहले शुरुआत किसानों के मुआवजे राशि से अधिक अधिग्रहण करने से फिर प्रिकास्ट लगाकर खेती के लिए खेत जाने के रास्तों को बंद करने से किसान मुसीबतों के साथ अपने खेत में जाकर खेती कर रहे हैं लेकिन पूरा निर्माण होने के बाद पूरे रास्ते बंद होने से किसानों के खेत संसाधन लाने ले जाने के अभाव में पड़त भूमि बन जाएगी।

विकास विनाश लेकर आती है यह बात ग्राम सेलूद के किसानों के लिए सच साबित हो रही है। भारत सरकार द्वारा नाबार्ड की मदद से नागपुर नेशनल हाइवे से अंजोरा चंदखुरी सेलूद से होकर 266 किलोमीटर नया रायपुर के लिए सिक्स लेन का कार्य लगभग पूर्णतः की ओर है। मुआवजा राशि कम देना पड़े इसलिए जिसमें किसान कृषि कार्य करते हैं उन्हीं जमीनों का अधिग्रहण व मुआवजा राशि वितरण किया गया है। इस सड़क के बनने के लिए शुरु होने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। खेतों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। किसान चाहकर भी खेत नहीं खरीद पा रहा है। बीच खार में भी पांच सात लाख एकड़ में बिकने वाले जमीन के दाम पंद्रह से बीस लाख रुपये हो गये हैं वहीं सड़क किनारे की जमीन पचास लाख से एक करोड़ रुपये एकड़ तक पहुंच गई है।

प्रिकास्ट लगाकर खेत जाने के रास्तों को किया बंद, किसानों को दिक्कत

डस्ट के कारण गंभीर बीमारियों से जूझना पड़ सकता है लोगों को

सेलूद से मानिकचौरी मुख्य सड़क मार्ग को सिक्स लेन सड़क में गार्डर लांचिग करने के बाद से बंद कर दिया गया है। लगभग दो महीना होने को है इस मार्ग को बंद करे हुए। ग्रामीण आवागमन करने में बहुत मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। महज पचास मीटर की दूरी को निर्माण कार्य करने की बात कहकर बंद कर दिया गया है और इसके बदले राहगीरों को लगभग दो किलोमीटर घूमकर फिर उसी सड़क पर आना पड़ता है। दार्यवसन सड़क बनाया गया है वह उबड़ खाबड़ तो है साथ ही धूल के अंबार से अटा पड़ा है। कभी खानापूर्ती के लिए पानी डालने पर धूल सीधे कीचड़ का रुप ले लेता है और दुपहिया और चारपहिया वाहनों के चक्के में चिपक जाने से वाहन को खड़ा कर मिट्टी को निकालना पड़ता है। ग्रामीणों की परेशानी से दूर निष्क्रियता के साथ धीरे-धीरे कार्य कर रहे है । मिट्टी, मुरम, गिट्टी, फ्लाई ऐश सेलूद, चुनकट्टा व मुड़पार के सड़कों में परिवहन करने के कारण सड़कों में धूल और प्रदूषण बढ़ गया है। वहीं अत्यधिक संख्या में तेज रफ्तार वाहनो के चलने के कारण दुर्घटना भी बढ़ गया है। पर्याप्त संकेतकों व सुविधाओं का प्रयोग नहीं किया है। मार्ग परिवर्तित वाले स्थानो में लाइट के अभाव के कारण बहुत सी दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क बनाने फ्लाई एश और मिट्टी की उड़ती धूल को कम करने के लिए ठोस पहल नही किया जा रहा है। पानी सिर्फ दिखाने के लिए दिन में एक दो बार डाल दिया जाता लेकिन ठेकेदार की उदासीनता के चलते खासकर सेलूद, चुनकट्टा और मुड़पार के ग्रामीण धूल के गुब्बार में जीने को मजबूर है। साथ ही सड़क पर साइकिल और दोपहिया वाहन चलाना भी जान हथेली पे लेकर चलने के बराबर है क्योंकि जब बड़ी-बड़ी हाईवा गाड़ियां सड़क से गुजरती है तो धूल के गुब्बार में सड़क पर चलने वाले अन्य व्यक्ति को कुछ दिखाई ही नही देता खदान क्षेत्र होने व सिक्स लेन में लगे सैकड़ों वाहनो के कारण रोजाना बड़ी -बड़ी हाईवा, ट्रक, ट्रेक्टर आदि गाड़ियां इसी सड़क से होकर चलती रहती है जिसके कारण दिन भर भारी धूल उड़ता रहता है जिसके कारण स्कूली व कॉलेज के छात्र-छात्राएं, व्यापारी व ग्रामीण बहुत परेशान है। रोड के किनारे ही राशन दुकान, साप्ताहिक बाजार, प्राथमिक स्कूल, दो आंगनबाड़ी केंद्र, कलामंच, ग्राम पंचायत, कर्मा भवन, उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन, प्रसव केंद्र व आसपास ग्रामीणों के घर व संस्थाएं स्थित है जिसमें रोजाना ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है लेकिन धूल और प्रदूषण की वजह से ग्रामीणों के आंख में एलर्जी, जलन, खांसी, दमा, टीबी, सिलिकोसिस, बालों का झड़ना, त्वचा सम्बन्धी रोग आदि स्वास्थ्यगत समस्याएं प्रारम्भ हो गयी है।

सेलूद के किसानों ने दान की थी जमीन

ग्राम सेलूद के किसानों के पूर्वजो ने जानवरों के चारागाह के लिए बहुत से लोग अपने लगानी जमीन को दान किया था। लगभग 124 किसान परिवारों ने 180 एकड़ जमीन दान किया था। उचित संरक्षण नहीं होने व देखरेख करने वाले मुखिया के द्वारा सही संरक्षित नहीं कर पाने के कारण कई एकड़ जमीन अतिक्रमण की चपेट में चला गया। जो जमीन बचे हैं अब उस पर सड़क बनाने वाले कम्पनी की नजर पड़ गई है। उक्त सम्मिलित चारागाह की जमीन जो किसानों ने जानवरों के चरागन के लिए दान किया था उसे सरकारी जमीन मानकर उस पर निर्माण कार्य शुरु कर दिया गया है। पहले कई एकड़ जमीन अतिक्रमण में चली गई अब लगभग 8 एकड़ जमीन सिक्स लेन सड़क की जद में जा रही है। नियमतः यह सम्मिलित किसानों की निजी जमीन है। इस पर भी चार गुणा अवार्ड पारित होना चाहिए। चुकी यह जमीन सम्मिलित होने से किसी किसान परिवार के खाते में राशि अंतरित नहीं हो सकता, लेकिन जिला कलेक्टर के खाते में अंतरित कर इस राशि से गांव के चारागाह के लिए जमीन खरीदना चाहिए। जिससे इस चारागाह की जमीन दान करने वाले परिवार व पूर्वजों के साथ सही न्याय होगा और गांव को उसके बदले में चारागाह की जमीन मिलेगी। सिक्स लेन सड़क में लगे क्षमता से अधिक भार वाले वाहन चलने के कारण ग्राम सेलूद, चुनकट्टा, मुड़पार, पतोरा, फेकारी, बोहारडीह, मानिकचौरी, छाटा, सांतरा सड़क अब पूरी तरह से दबने लगे हैं और अपने क्षमता से कम समय में ही खराब हो रहे हैं। सड़क कई जगह से धंसने लगे हैं। वहीं अधिक लोड वाले वाहन चलने के कारण जो पाइप लाइन बिछी हुई है वह भी अब टूटने लगे हैं।

लीलाधर बने साहू संघ प्रदेश संयोजक

हरिभूमि न्यूज ⏭|अंडा

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने संगठन पदाधिकारियों की सहमति से महंत डॉ. लीलाधर दास साहू को साहू संघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से साहू समाज के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में हर्ष व्याप्त है। महंत डॉ. लीलाधर साहू लंबे समय से सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में ग्रामीण इकाई से लेकर प्रदेश स्तर तक अपनी सक्रियता और कार्यशैली से विशेष पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और लोक कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वे निरंतर कार्य करते रहे हैं। डॉ. साहू ने छत्तीसगढ़ लोक धरोहर सांस्कृतिक संस्था के माध्यम से प्रदेश की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाने का कार्य किया है। वे 14 बार नई दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उड़ीसा और असम सहित देश के विभिन्न राज्यों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे चुके हैं।

हमारा चिंतन, विचार व कार्य हमेशा समाजहित में होना चाहिए : साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭|उतई

- रिसामा में परिक्षेत्रीय कर्मा जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया

ग्राम रिसामा में खोपली परिक्षेत्र का कर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ के संगठन सचिव सुभाष साव, विशेष अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री रमशीला साहू, जिला साहू संघ दुर्ग के उपाध्यक्ष मंजू साहू, तहसील साहू संघ दुर्ग ग्रामीण उपाध्यक्ष जागेश्वर साहू, जनपद पंचायत दुर्ग उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, जिला पंचायत दुर्ग सभापति श्रद्धा साहू, जनपद सदस्य ढालेश साहू, सरपंच रोशन साहू, पूर्व तहसील अध्यक्ष गौकरण साहू, संरक्षक नंदकुमार गजपाल, समाज सेवी लेखुदास साहू, सलाहकार देवकरण साहू थे। कार्यक्रम में महिलाओं की बड़ी सहभागिता रहा। सुबह से कलश के साथ शोभायात्रा, भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना, महाप्रसादी खिचड़ी का वितरण उसके बाद अतिथि उद्बोधन व सम्मान हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा भक्ति, सेवा व त्याग की प्रतिमूर्ति थीं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें अपने चिंतन, विचार व कार्य को समाज हित करना चाहिए, तब हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। पूर्व केबिनेट मंत्री रमशीला साहू ने समाज में शिक्षा व संस्कार पर जोर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे सुभाष साव ने समाज के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। परिक्षेत्रीय अध्यक्ष घनश्याम गजपाल ने खोपली परिक्षेत्र के सभी ग्रामों में मृतक संस्कार में सादा भोजन व कफ़न के बदले श्रद्धांजलि दान पेटी आदि सामाजिक सुधार में प्रदेश, जिला व तहसील के नियमावली के परिपालन कि जानकारी दिया। इस अवसर पर रक्तदान का आयोजन किया गया तथा प्रतिभावान छात्रों, सामाजिक पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। कलश सजावट में विशेष व सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। ग्राम मतवारी के कलाकारों के सांस्कृतिक प्रस्तुति ने समा बांधा।

इस अवसर पर खोपली परिक्षेत्र अध्यक्ष घनश्याम गजपाल, उपाध्यक्ष गुलाब साहू, सचिव युगल किशोर साहू, उपाध्यक्ष मिना साहू, संगठन सचिव गजेंद्र गजपाल, महिला संगठन सचिव संगीता साहू, कोषाध्यक्ष थानसिंह साहू, जामवंत गजपाल, न्याय प्रकोष्ठ संयोजक पोषण साहू, सह सचिव मन्नू लाल साहू, चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ रामदास साहू आदि उपस्थित थे।

समाधान शिविर से मिल रहा लोगों को लाभ

धमधा। बोरी तहसील में बिजली विभाग द्वारा समाधान शिविर का आयोजन पिछले कुछ दिनों से चल रहा है।ऐसे उपभोक्ता जिनका बिल बहुत दिनों से नहीं जमा हो पाया या कोई परेशानी ,वाद विवाद के कारण समस्या बनी हुई है। तो ऐसे उपभोक्ता के लिए दुर्ग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन उछले दिनों किया गया था।जिसमें कई उभोक्ताओं को 50% कई को 75% या कई उपभोक्ता को 10% तक की बिजली बिल जो बहुत दिनों से रुकी हुई थी उनको लाभ दिया गया। इसे उपभोक्ता छूट के साथ अपना बकाया बिल विभाग द्वारा को जमा कर सकते है। अभी तक 25536 रुपए तक की वसूली हो पाई। विभाग के जीईई नितिन देशमुख ने कहा की ऐसे उभोकता जिनका बिजली बिल रुका हुआ है।वे इस शिविर का लाभ उठाएं और आने वाले परेशानी से बचे।

शीतला माता का किया पंचमी श्रृंगार

निकुम। शक्ति पर्व चैत्र नवरात्रि के पांचवें दिन सोमवार को ग्राम आलबरस सहित अंचल में माता देवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार मां के दर्शन के लिए अपनी बारी आने का इंतजार बेसब्री से करती रही। श्री दुर्गा का पंचम रूप श्री स्कंदमाता हैं, ज्योत जंवारा व शीतला मंदिर में नवरात्रि के पंचम दिन इनकी पूजा और आराधना कर श्रृंगार किया गया। वहीं भावेश पांडे ने कहा कि इनकी आराधना से मनुष्य सुख-शांति की प्राप्ति करता है। साथ ही पंचमीं पर माता का विशेष श्रृंगार किया गया है। ग्राम पंचायत सरपंच भुवन लाल देशमुख ने कहा कि शीतला मंदिर तालाब पार में मनोकामना ज्योति कलश जल रही है, गौरतलब हो कि आलबरस में 21 पारंपरिक गांव देवी देवताओं को नए स्वरूप में संवारा गया।

बिजनेस साइट

स्टील क्लब में सजी परंपरा प्रदर्शनी, कल तक चलेगा अभियान

भिलाई। सेक्टर-8 स्थित स्टील क्लब में परंपरा नाम से हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी सह विक्रय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी 25 मार्च तक चलेगी। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त हथकरघा द्वारा प्रायोजित इस आयोजन में बुनकर सेवा केंद्र रायगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के चांपा, रायगढ़ और चंद्रपुर की प्रसिद्ध कोसा सिल्क साड़ियां, जाला साड़ी, ड्रेस मटेरियल, कुर्ता और जैकेट उपलब्ध हैं। साथ ही देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक परिधान भी आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें महाराष्ट्र की पैठनी साड़ी, मध्य प्रदेश की चंदेरी, बनारसी साड़ी, पश्चिम बंगाल की जामदानी और जम्मू-कश्मीर की पश्मीना शॉल शामिल हैं। इसके अलावा बस्तर की ढोकरा कला, स्टोन ज्वेलरी, जूट क्राफ्ट, टेराकोटा और पेंटिंग्स जैसे आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद भी एक ही स्थान पर मिल रहे हैं। आयोजन स्थल पर खरीदारी के साथ-साथ विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेने की भी सुविधा है। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे परिवार के साथ पहुंचकर इस प्रदर्शनी का लाभ उठाएं और स्थानीय बुनकरों व हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करें।

ग्रेजुएशन डे पर नन्हे बच्चों का किया गया सम्मान

भिलाई। जामुल स्थित केएच टाइनी टॉट स्कूल में प्री-प्राइमरी से कक्षा पहली में प्रवेश करने वाले नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन डे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को ग्रेजुएट होने पर सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य और गायन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में केएच स्कूल्स ग्रुप के डायरेक्टर निश्चय झा उपस्थित थे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं ग्रेजुएशन गाउन और कैप पहनकर अत्यंत उत्साहित नजर आए। स्कूल की प्रिंसिपल विभा झा और डायरेक्टर ने विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट व ट्रॉफियां प्रदान कर उनके शैक्षणिक जीवन के प्रथम पड़ाव की सराहना की। केएच टाइनी टॉट की डायरेक्टर सृष्टि झा ने कहा कि सामान्यतः ग्रेजुएशन समारोह उच्च शिक्षा स्तर पर आयोजित किए जाते हैं, लेकिन छोटे बच्चों के लिए इस प्रकार का आयोजन उनके प्रारंभिक विकास और उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह आयोजन अभिभावकों के लिए भी गर्व का क्षण रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और इस विशेष अवसर का हिस्सा बने।

वैशाली पब्लिक स्कूल का गौरव, साक्षी को मिला स्वर्ण पदक

भिलाई। वैशाली पब्लिक स्कूल की कुमारी साक्षी साहू कक्षा 8 वीं ने एपोच ओलंपिया डफाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। साक्षी साहू राष्ट्रीय विजेता कप, उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया है। कक्षा आठवीं की अर्पिता निगम ने भी विशिष्टता पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किया हैं, जो एक और सराहनीय उपलब्धि है। कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक अध्ययनरत कुल 15 बच्चों ने यह परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं। उपलब्धियां प्रतिभा और शैक्षणिक उत्कृष्टता को पोषित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं। इस उल्लेखनीय सफलता के लिए स्कूल प्रबंधन ने प्राचार्य, विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है।

अंचल की खबरें

महिला सशक्तिकरण पर 'मिशन शक्ति' का आयोजन

दुर्ग। ग्रामीण युवाओं द्वारा दुर्ग ब्लॉक के ग्राम चंदखुरी में महिला सशक्तिकरण सम्मान समारोह का आयोजन रविवार शक्ति चौक पर किया गया। इस आयोजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला पंच, विहान से जुड़ी महिलाओं के साथ-साथ स्वास्थ एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 60 महिलाओं को नारी सम्मान से पद्मश्री शमशाद बेगम द्वारा नवाजा गया। संतोष विनीता धिवर तथा फिल्म निर्देशक उत्तम तिवारी एवं साथियों द्वारा भजन तथा गीत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किये, तत्पश्चात उपस्थित ग्रामीण महिलाओं के साथ पद्मश्री शमशाद बेगम अपने अनुभव साझा करते हुए विचार रखें, साथ ही साथ टिकेश्वरी लाल देशमुख समाजसेवी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान पर एवं महेंद्र सिन्हा सहयोगी रेडियो एफएम द्वारा महिला एवं स्वास्थ्य विषय पर परिचर्चा किये एवं सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्यो के लिए महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकर रहे जिन्होंने अपने उद्बोधन में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहां की महिला से ही समाज का निर्माण होता है और उनसे ही स्वच्छ एवं शिक्षित परिवार के साथ-साथ समाज का सर्वांगीण विकास में विशेष भूमिका रहती है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत दुर्ग अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, दुर्ग जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा, सरपंच कविता यादेश ठाकुर, प्रखर प्रवक्ता अतुल ताम्रकार पूर्व जनपद सदस्य एवं सभापति जनपद पंचायत दुर्ग एवं पत्रकार पन्ना लाल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे एवं मंच संचालन अशोक देवांगन द्वारा किया गया।

खप्परवाड़ा में श्रीमद् भागवत कथा का समापन

अण्डा। ग्राम खप्परवाड़ा में आयोजित संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा का समापन बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। अंतिम दिवस पर पूर्णाहुति, तुलसी वर्षा और महाभंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ हवन और पूर्णाहुति से हुई, जहां श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इसके पश्चात तुलसी वर्षा का दिव्य आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने भक्ति भाव से भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। समापन अवसर पर महाभंडारा आयोजित किया गया, जिसमें दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। कथा के दौरान कथावाचक पं. भूपेंद्र पांडे ने भगवान की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन को सफल बनाता है और उसे मोक्ष का मार्ग दिखाता है। यह धार्मिक आयोजन स्व. वीरेंद्र सिंह चंद्राकर की पुण्य स्मृति में किया जा रहा है। स्व. डोमन सिंह चन्द्राकर - शामबती, स्व. फकीर सिंह चन्द्राकर- बिसाहिन बाई, हीरा बाई, स्व. अमन सिंह चन्द्राकर - मीनाक्षी, स्व. शिवप्रसाद-स्व. देवकी बाई चन्द्राकर, स्व. चन्द्रशेखर चन्द्राकर की पुण्य स्मृति में किया गया। कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

जलकुम्भी से अटा पड़ी है कुम्हारी की खारून नदी

कुम्हारी। इन दिनों कुम्हारी स्थित खारुन नदी का एक बड़ा हिस्सा जलकुंभी से पूरी तरह अटा पड़ा है। यह वही जगह है जहां आसपास के गांवों के लोग निस्तारी के लिए आते हैं और मवेशी भी इसी पानी पर निर्भर है। नदी के दोनों छोर पर लोग नहाने एवं दैनिक कार्य के लिए आते हैं लेकिन हैरानी की बात ये है कि जिम्मेदार विभाग अब तक इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है, जबकि दो साल पहले इसी जलकुंभी में फंसकर करीब 9 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो चुकी है जिन्हें दो दिनों के रेस्क्यू से निकाला गया। इसके अलावा विगत वर्ष एक बच्चे ने भी अपनी जान गंवाई थीं। पता नहीं ऐसे और कितने हादसे हो चुके हैं ऐसे में अब स्थानीय लोगों सहित जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन से जल्द ही इसे साफ करने की मांग की है। गौरतलब है कि पूर्व में इस तरह की समस्या आई थी जिसे ठीक कर लिया गया था लेकिन अभी लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है लेकिन संबंधित विभाग बिल्कुल भी इसकी सुध नही ले रहा है।

कर्मवीर रत्न से सम्मानित हुए चंद्रवंशी-देशलहरे

जामुल। रायपुर में रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में दुर्ग जिला के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट कार्यों से जिले का मान बढ़ाया। शिक्षक कला अकादमी व्दारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये शिक्षको की उनके शैक्षाणिक समाजिक रचनात्म योगदान के लिए कर्मवीर रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिलाईगढ़ के विधायक कविता प्राण लहरे और विशिष्ट अतिथि फिल्म विकास निगम अध्यक्ष मोना सेन थे। इस दौरान शिक्षक कला अकादमी जिला- दुर्ग ईकाई का गठन किया गया। जिसमे जिला अध्यक्ष प्रधान पाठक खुर्सीपार भिलाई, उपाध्यक्ष किरण शर्मा कोषाध्यक्ष रेखा साहू,सचिव भानेश्वरी साहु, सहसचिव लक्ष्मी देशलहरे ढौर , संरक्षक सुष्मा हिरवानी, संगठन मंत्री, शिवनारायण पटेल को जिम्मेदारी सौंपी गई। सम्मानित शिक्षकों में विकास खण्ड दुर्ग भिलाई के प्रधान पाठक हेमा चंद्रवंशी और आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता लक्ष्मी देशलहरे ढौर को उनके उत्कृष्ट, शैक्षणिक कार्य, समाज सेवा बच्चों की गतिविधी, साहित्य सृजन,गायन प्रतिभा, तथा संगठन में योगदान के लिए राज्य स्तरिय कर्मवीर रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

सुपेला अस्पताल में 18 कर्मचारी सालों से कर रहे काम, नहीं मिला ज्वाइनिंग लेटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल में कई कर्मचारी सालों से काम कर रहे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि उनमें से 18 कर्मचारियों को अब तक ज्वाइनिंग लेटर ही नहीं मिला है। ज्वाइनिंग लेटर के अभाव में ये कर्मचारी कई सुविधाओं से भी वंचित हैं। खासकर आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि का लाभ भी इन्हें नहीं मिल पा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सिविल अस्पताल सुपेला में 39 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिसमें फार्मासिस्ट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड बॉय, ड्राइवर, लैब टेक्निकशियन, स्वीपर / वार्ड आया, स्टाफ नर्स सफाई कर्मी आदि शामिल हैं।

इन कर्मचारियों में से 21 कर्मचारियों को ज्वाइनिंग लेटर प्राप्त हो चुके हैं लेकिन 18 कर्मचारी अब भी ज्वाइनिंग लेटर से वंचित है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन दस्तावेजी मान्यता नहीं मिलने के कारण उनका भविष्य असमंजस में है।

जीवनदीप समिति के फंड से दिया जा रहा मानदेय

सिविल अस्पताल के सुपेला के कर्मचारियों को वर्तमान में 10600 रुपए मानदेय मिल रहा है। 6 अगस्त 2025 को हुए जीवनदीप समिति की बैठक में 18 कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाया गया था। बैठक में बताया गया था कि कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि यदि भविष्य में किसी अन्य संस्था में जाएंगे तो वहां अनुभव पत्र मांगा जाएगा। अगर ज्वाइनिंग लेटर ही नहीं मिला तो अनुभव प्रमाण पत्र कहां से मिलेगा। सिविल अस्पताल सुपेला प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीयम सिंह ने जीवन दीप समिति की बैठक के बाद 27 अगस्त 2025 आदेश जारी किया था कि दिनांक 6 अगस्त 2025 को जीवन दीप समिति के साधारण सभा बैठक में प्रस्तावित हुआ है कि 18 कर्मचारियों को जो मानदेय पद वैकल्पित व्यवस्था के तहत रखा गया था। उनको जीवन दीप समिति के अंतर्गत कार्य में रखने के लिए विधायक द्वारा आदेशित किया गया है। अतः इन कर्मचारियों को उपस्थित पत्र देने का कष्ट करें।

जीवनदीप समिति लेगी निर्णय

किस कर्मचारी को ज्वाइनिंग लेटर दिया जाएगा इसका निर्णय जीवनदीप समिति तय करता है। जीवन दीप समिति की बैठक में 18 कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई थी।

डॉ. पीयम सिंह,
प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल सुपेला

खबर संक्षेप

अधिवक्ता गौरव दूरर्शन रायपुर पर आज

भिलाई। भिलाई के युवा अधिवक्ता गौरव सोनी के भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम जागरुकता विषय पर कार्यक्रम का प्रसारण

मंगलवार को दूरदर्शन (डीडी छत्तीसगढ़) पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में इस अधिनियम से जुड़ी कई महती जानकारियां देंगे। इसके तहत भ्रष्टाचार से जुड़े रिश्वत देने वाले को भी 7 साल की सजा का प्रावधान है, यदि किसी व्यक्ति द्वारा दबाव में आकर मजबूरी में रिश्वत दिया जाता है तो इसकी सूचना संबंधित विभाग को 7 दिन के अंदर दे सकता है तो कार्यवाही सिर्फ रिश्वत लेने वाले के खिलाफ होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो टोल फ्री नंबर 1064 पर सूचित करने के बार में विस्तार से कानूनी सलाह लोगों को लिए उपयोगी होगी। इस कार्यक्रम का प्रसारण हर 4 घंटे के बाद 4 दिन तक किया जाएगा। अधिवक्ता गौरव जिला न्यायालय दुर्ग में वकालत करते हैं। उनके पिता आरके सोनी बीएसएनएल कर्मचारी यूनियन के राज्य सचिव हैं।

टीएंडी में सुरक्षा जागरुकता सप्ताह का समापन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के परिवहन एवं डीजल विभाग में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन बिल्डिंग-14 के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषारकान्त तथा महाप्रबंधक सुकुमारन सुनोव थे। अध्यक्षता महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक ने की। विभागीय सुरक्षा अधिकारी विजय कुमार ने सुरक्षा शपथ दिलाई। जीएम मनोज कुमार प्रसाद द्वारा स्वागत उद्बोधन व महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक ने सुरक्षा प्रतिवेदन में सुरक्षा गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि किसी भी कार्य के पूर्व उसमें निहित संभावित खतरों का आकलन एवं चर्चा करना सुरक्षित कार्य निष्पादन की दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

बीएसपी में मेन पावर कम होने का असर

क्वार्टर अलाटमेंट और जमा करवाने तक सिमटे टाउनशिप के मेंटेनेंस कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में मेन पावर सिमटने के साथ ही टाउनशिप में बीएसपी क्वार्टरों के संधारण के लिए बने मेंटेनेंस कार्यालय भवन मेंटेनेंस मांग रहे हैं। अधिकतर भवन उपेक्षित बड़े हैं। कुछ मेंटेनेंस कार्यालय बंद हो चुके हैं वहीं जो संचालित हैं, कर्मचारियों के क्वार्टर जमा करने और अलाटमेंट पेपर की प्रक्रिया तक सीमित होकर रह गए हैं।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी और टाउनशिप के निर्माण के साथ ही रहवासी कर्मचारियों के क्वार्टरों के मेंटेनेंस के लिए सभी सेक्टरों में मेंटेनेंस कार्यालयों का निर्माण किया गया था। आवासों में टूट फूट होने पर शिकायत पर मेंटेनेंस कर्मियों द्वारा मरम्मत की जाती थी। लेकिन पिछले कुछ साल से सीधे मेंटेनेंस कार्यालय से आवास का मेंटेनेस किए जाने की व्यवस्था को बदलकर वर्कर्स के को मेंटेनेंस अलाउंस दिया जा रहा है। पानी बिजली या टूट फूट की शिकायत पर संधारण कार्य अब बीएसपी के सिविल विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसके चलते मेंटेनेंस कार्यालयों की उपयोगिता कम हो गई है। इन कार्यलयों में सिर्फ कर्मचारियों के रिटायर होने पर आवास जमा करने और अलाटमेंट के पेपर जमा कराना मात्र रह गया है।

बीएसपी कर्मियों को मेंटेनेंस अलाउंस मिलने के बाद हुए अनुपयोगी

यूनियनों के मुताबिक बीएसपी में मेन पावर कम होने यानी कर्मचारियों के लगातार रिटायर होने से चौतरफाई आई तब्दीली का असर मेंटेनेंस कार्यालय पर भी पड़ा है। पहले सीधे आवासों का मेंटेनेंस संबंधित सेक्टर के मेंटेनेंस कार्यालय के द्वारा होता था, मेंटेनेंस अलाउंस शुरू होने के बाद दोतरफा परेशानी बढ़ी है। क्वार्टरों को मेंटेनेंस में विलंब के साथ आवास वर्षों पुराने होने से बुनियादी समस्याएं यानी टूट फूट भी बढ़ रही है।

कई कार्यालय हो गए बंद

टाउनशिप में कई मेंटेनेंस कार्यालय बंद हो चुके हैं। भवन जर्जर हो चुके हैं। सेक्टर 6 में तीन मेंटेनेंस कार्यालयों में एक भवन में जिम अलाट है और सी मार्केट के निकटस्थ कार्यालय खंडहर हो चुका है। सेक्टर 7 पुराना भवन भी खंडहर हो चुका है। कई खाली भवनों पर कब्जाधारियों की नजर है। इसके अलावा कुछ मेंटेनेंस कार्यालयों में क्वार्टर जमा व अलाटमेंट पेपर प्रक्रिया के ले लिए एक दो कर्मी ही बचे हैं। इसकी वजह मेन पावर कम हो जाना है। मेंटेनेंस कार्यालय भवनों में वीरानी छाई हुई है।

मेन पावर हुआ कम

उल्लेखनीय है कि 80 के दशक में बीएसपी में 65 हजार कर्मचारी काम करते थे, जिनकी संख्या आज मात्र नौ हजार में सिमट गई है। इस हिसाब से टाउनशिप में आवासों की संख्या भी कम हो गई है। वर्तमान में मात्र 38 हजार क्वार्टर बचे हैं। यूनियनों के मुताबिक इनमें मात्र पांच हजार बीएसपी कर्मचारी निवास कर रहे हैं, बाकी राज्य शासन के कर्मियों व अधिकारियों व निजी संस्थाओ के लोगों को थर्ड पार्टी के रुप में अवांटित है। चौदह सौ क्वार्टर रिटेंशन धारी को अलाट है और इनके अलावा सैकड़ो क्वार्टर कब्जे में हैं।

भिलाई निगम का विशेष बजट सम्मेलन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई का वार्षिक बजट महापौर परिषद की बैठक में 17 मार्च 2026 को प्रस्तुत किया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने महापौर नीरज पाल के समझ आगामी वित्तीय वर्ष का बजट प्रस्तुत किया। बैठक में बजट के विभिन्न प्रावधानों और शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर महापौर परिषद में चर्चा की गई। जिसमें निगम प्रशासन द्वारा बजट में शहर के आधारभूत ढांचे, सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। प्रस्तुत बजट पर विस्तृत चर्चा के लिए विशेष बजट सत्र का आयोजन 25 मार्च को किया जाएगा। इस सत्र में पार्षदों द्वारा बजट के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श कर आवश्यक सुझाव दिए जाएंगें, जिसके बाद बजट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रदेश मीडिया प्रभारी बने निशु

भिलाई। कलाकार और भाजपा के कार्यकर्ता निशु पाण्डेय को भारतीय

जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सां स्कृ ति क प्रकोष्ठ में प्रदेश मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा है। इस नियुक्ति पर कार्यकर्ता व कलाकरों में हर्ष है। निशु पाण्डेय ने दुर्ग सांसद विजय बघेल और जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन का आभार व्यस्त किया है।

अफीम तस्करी मामले में फरार सप्लायर समेत दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

अफीम तस्करी मामले में फरार सप्लायर समेत दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि कुम्हारी थाना क्षेत्र के खारुन ग्रीन कॉलोनी से आरोपी गुरमेल सिंह के पास से 403 ग्राम अफीम और नगद 14.46 लाख रुपए जब्त किया गया था। जांच में आरोपी से पूछताछ कर बैंक खाते के लेन-देन, मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण के आधार पर अफीम सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की शिनाख्त हो पाई। पुलिस ने लांजी, थाना गुमला, झारखंड निवासी शिवप्रसाद कुमार साहू, टाटीबंद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भारतमाता स्कूल के पास रायपुर रेशम सिंह उर्फ पप्पू पाजी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ अफीम, मोबाइल फोन जब्त किया। आरोपियों से 11 ग्राम अफीम व दो मोबाइल 25 हजार का जब्त किया गया।

समोदा अफीम खेती मामले में फिर एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। ग्राम समोदा के अफीम की खेती मामले में पुलिस ने फिर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि राजस्थानी भोजनालय क्षेत्र, सिलोदा, जिला दुर्ग से ग्राम पिलवा राजस्थान निवासी सुखराम विश्नोई को पकड़ा गया है। आरोपी से 670 ग्राम डोडा चूरा, नगदी 18,540 रुपए, कार सीजी 4 एचडी 6632, इलेक्ट्रानिक तराजू, मोबाइल, आरसी बुक को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने अफीम मामले में विकास विश्नोई, विनायक तामकार, मनीष उर्फ गोलू ठाकुर, छोटू राम को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद 15 मार्च को रणछोड़ राम उर्फ रणजीत, सुनील देवासी को गिरफ्तार कर अफीम डोडा, नगदी राशि बरामद की थी। पुलिस बयान में विकास विश्नोई ने कई तथ्य को उजागर किया। उसी आधार पर पुलिस ने कार्रवाई कर लगातार आरोपियों को पकड़ रही है।

राहुल से मिले विधायक देवेन्द्र

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने गुजरात दौरे के दौरान बड़ोदरा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा मे विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने देवेन्द्र यादव के साथ छत्तीसगढ़ और भिलाई को लेकर चर्चा की।

यात्रियों से जबरन किन्नर करते थे रकम की डिमांड, आरपीएफ ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

आरपीएफ दुर्ग ने ट्रेन 12851 बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस में कार्रवाई करते हुए 12 किन्नरों को गिरफ्तार करने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई यात्रियों की लगातार मिल रही शिकायतों को लेकर हुई है। यात्रियों ने पुलिस को बताया था कि कुछ किन्नर ट्रेन में चढ़कर अवैध वसूली कर रहे थे और पैसे नहीं देने पर यात्रियों को परेशान कर रहे थे। ट्रेन रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही थी। तभी आरपीएफ को सूचना मिली कि कुछ किन्नर ट्रेन के अलग-अलग कोच में जाकर यात्रियों से जबरन पैसे मांग रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद आरपीएफ दुर्ग की टीम ने ट्रेन के दुर्ग पहुंचते ही कार्रवाई की और सभी किन्नरों को पकड़ा गया है। आरपीएफ के मुताबिक यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। कई यात्रियों ने लिखित और मौखिक शिकायत दी थी कि उनसे जबरदस्ती पैसे मांगे करते है। मना करने पर जबरन बहस कर दबाव बनाया जाता है। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आरोप सही पाए जाने पर सभी के खिलाफ कार्रवाई किया गया।

भेजा गया सभी को न्यायालय

आरपीएफ ने सभी के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पूछताछ के दौरान आवश्यक दस्तावेज तैयार कर मामले को प्रक्रिया के लिए न्यायालय भेजा गया। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेनों में यात्रियों को परेशान करने और अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। किन्नरों के खिलाफ और कोई शिकायत मिलने पर अब बड़ी कार्रवाई होगी।

केनाल रोड निर्माण का विरोध तेज, पुनर्वास के बिना काम रोकने की दी गई चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

आम आदमी पार्टी, जिला इकाई दुर्ग ने प्रस्तावित केनाल रोड निर्माण के अगले चरण का कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। पार्टी नेताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस प्रोजेक्ट को जनहित के खिलाफ और भ्रष्टाचार का केंद्र बताया।

पार्टी नेता मेहरबान सिंह ने चेतावनी दी कि खुर्सीपार में करीब 8 साल पहले केनाल रोड के नाम पर हुई कार्रवाई को दोहराने नहीं दिया जाएगा। उनका कहना है कि उस समय बिना पुनर्वास के सैकड़ों परिवारों को बेघर किया गया और आज वह सड़क असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन चुकी है। वहीं जसप्रीत सिंह ने जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता ने उन्हें विकास के लिए चुना है, न कि फैसले थोपने के लिए। उन्होंने पावर हाउस से वैशाली नगर तक इस सड़क की जरूरत पर ही सवाल खड़े किए और इसे टैक्स के पैसों की बर्बादी बताया। अविनाश ने पुनर्वास का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन को चेताया कि बिना रिहैबिलिटेशन कानून का पालन किए निर्माण कार्य शुरू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कलेक्टर से खुद मौके का निरीक्षण करने की मांग भी की। पार्टी ने रायपुर के स्काई वॉक का उदाहरण देते हुए इस प्रोजेक्ट को भी फिजूलखर्ची करार दिया और तत्काल रोक लगाने की मांग की। आम आदमी पार्टी की मुख्य मांगों में प्रोजेक्ट की निष्पक्ष जांच, अनावश्यक खर्च पर रोक और प्रभावित परिवारों के लिए उचित पुनर्वास की गारंटी शामिल है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बलविंदर सिंह, लक्ष्मी नेताम, उमा बाई यादव, धर्मेन्द्र चौधरी और देवेंद्र, रऊफ अंसारी, डॉ. एसके अग्रवाल, हरचरण सिंह आदि मौजूद थे।

भगत सिंह के शहादत दिवस पर कामगारों ने संघर्ष तेज करने का लिया संकल्प

भिलाई। शहीदे आजम भगत सिंह और क्रांतिकारी राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस पर नगरीय निकाय जनवादी सफाई कामगार यूनियन के तत्वावधान में नगर पालिका परिषद कुम्हारी के अंधेरी गार्डन में सभा का आयोजन

किया गया। स्वतंत्रता आंदोलन के तीनों क्रांतिकारियों सहित श्रमिक नेता शहीद शंकर गुहा नियोगी के जन्मदिवस पर त्याग को याद करते हुए इनके आदर्श व सफाई कर्मियों हितो के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया गया। सभा में सफाई कामगार यूनियन नेताओं ने शहीदों के संघर्ष को याद करते हुए लंबित मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया। यूनियन ने कहा कि निकाय के सभी सफाई कामगारों को अविलंब नियमित किया जाए, न्यूनतम वेतन 26 हजार निर्धारित करें,सफाई कामगार आयोग' का तत्काल गठन,12 हजार पेंशन और ग्रेज्युटी सुनिश्चित हो। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जिस तरह भगत सिंह और नियोगी ने शोषण के विरुद्ध लड़ाई लड़ी, आज सफाई कामगारों को भी अपने हक के लिए संगठित होना होगा।इस अवसर पर सरस्वती, आरती, वनिता, कीर्ति, सविता,खेमीन, नोहर साहू, अनेश मनहरे, गोपाल, गणेश, विनोद, ओमप्रकाश सोनकर, सागर,मंगलू बंजारे, सहित बड़ी संख्या में सफाई कामगार और यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एलपीजी सिलेंडर में लगी आग, दमकल कर्मियों ने बुझाया

भिलाई। मकान में एलपीजी सिलेंडर में अचानक आग लगने की सूचना पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।मिली जानकारी के मुताबिक बैकुंठधाम छावनी चौक निवासी डिलेश्वरी वर्मा के निवास स्थन पर रखे गए एलपीजी सिलेंडर में आग लग गई। 1 दमकल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। इसके बाद सिलेंडर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। मौके पर दल प्रभारी महेन्द्र चंदेल, कर्मियों में भीषम, शशांक ,रामनाथ कुर्रे ,प्रवीण सिन्हा समेत टीम पहुंची।

राजस्व विभाग की टीम बकायादारों से वसूली की कर रही कार्रवाई

भिलाई निगम ने बकाया जलकर के रूप में 4 लाख जमा कराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया जलकर वसूली को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने 4 लाख रुपये निगम कोष में जमा कराए गए। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा बकायेदारों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। टीम ने घर-घर संपर्क कर जलकर जमा कराने के लिए प्रेरित किया, वहीं लम्बे समय से बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस भी जारी किये है। शहर में जलकर वसूली को और तेज करने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा। साथ ही नागरिकों से अपील है कि वे समय पर जलकर का भुगतान करें, ताकि दंडात्मक कार्यवाही से बजा जा सके और शहर की जल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे।

निगम द्वारा आगे भी इसी तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगा, जिससे राजस्व में वृद्वि हो सके और विकास कार्यो को गति मिले। इस दौरान राजस्व अधिकारी जे. पी. तिवारी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, बेदखली सहायक हरिओम गुप्ता सहित वसूलीकर्ता एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

टैक्स वसूलने भिलाई निगम लगा रहा विशेष शिविर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सम्पतिकर जलकर यूजर चार्ज एवं समस्त राजस्व करों की वसूली के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। राजस्व में वृद्धि करने और बकायादारों से वसूली के लिए रविवार को विशेष शिविर दो स्थलों में लगाया गया। जोन 3 मदर टेरेसा नजर अंतर्गत राम जानकी मंदिर, प्रगति नगर कैंप 1 में शिविर लगा।खुर्सीपार जोन 4 अंतर्गत मंगल बाजार छावनी में भी टैक्स जमा करने हेतु शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लोगों ने आकर टैक्स जमा किया है। आयुक्त राजीव पांडेय ने कहा है कि संपत्तिकर, जलकर, यूजर चार्ज (ठोस अपशिष्ट उपयोगकर्ता शुल्क), और समस्त राजस्व करों की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 तक है । कर (टैक्स) जमा न करने पर 1,000 रुपये का जुर्माना और 18 प्रतिशत सरचार्ज लग सकता है। इससे बचने के लिए 31 मई 2025 तक संपत्तिकर जमा कर सकते हैं। निगम ने सभी जोन में अवकाश के दिन भी कर संग्रह की व्यवस्था की है। नगर निगम भिलाई के अंतर्गत आने वाले सभी भवन/भूमि स्वामियों से अपील की है कि वे शिविर, मुख्य कार्यालय या जोन कार्यालय में जाकर अपना बकाया टैक्स जमा करें। सभी दिवस सोमवार से रविवार तक कार्यालय समय में खुला रहेगा । परेशानी और आर्थिक नुकसान से बचने के लिए अपना निगम संबंधी समस्त टैक्स 31 मार्च से पहले अवश्य जमा करें।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

पूरे भक्तिभाव से भक्त शोभायात्रा में हुए शामिल

लाइव इवेंट

सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ, डोंगरगढ़ पदयात्रियों व राहगीरों को मिलेगी राहत

- सामाजिक संस्था दिशा की पहल

भिलाई। सामाजिक संस्था दिशा द्वारा फॉरेस्ट एवेन्यू रोड भिलाई, डायरेक्टर्स बंगला और हुडको पेट्रोल पंप के बीच तथा एचआईजी-5, हुडको के सामने सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया गया। अतिथि के रूप में नगर निगम भिलाई के एमआईसी सदस्य और हुडको वार्ड पार्षद सीजू एन्थोनी उपस्थित थे। नवरात्रि के अवसर पर माता के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्रियों, राहगीरों, श्रमिकों और आमजन को भीषण गर्मी में शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह प्याऊ घर शुरू की गई है। मुख्य अतिथि सीजू एन्थोनी ने संस्था दिशा के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि सार्वजनिक प्याऊ जैसी व्यवस्था गर्मी के दिनों में आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी एवं राहतकारी सिद्ध होती है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था दिशा के संस्थापक सदस्य रामानुजन राजू ने मुख्य अतिथि सीजू एन्थोनी व उपस्थित जनों का स्वागत किया। शुभारंभ के अवसर पर पूजा-अर्चना हुई, जिसमें रीता दास ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस दौरान सुजीत चक्रवर्ती, रामानुजन राजू, शांतनु दासगुप्ता, उत्तम डे, भास्कर देवनाथ, राजेश धारकर, प्रदीप दास, नरसिम्हा राव, देबाशीष मजूमदार, जवाहर, केसी राव, बापी दास, मोहन गिरी, अंजन रॉयचौधरी सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ने महिला जागरुकता पर किया कार्यक्रम

भिलाई। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स भिलाई सेंटर द्वारा महिलाओं को संसाधन, मार्गदर्शन से संपूर्ण समाज को लाभ होता है विषय पर कार्यक्रम हुआ। अध्यक्ष बोन्या मुखर्जी ने स्वागत भाषण दिया। विशेष अतिथि बीएसपी की रिटायर सीजीएम सुष्मिता डे ने कहा कि पेशेवर क्षेत्र में महिलाओं को तकनीकी और कार्य संबंधी चुनौतियों के लिए अपने पुरुष सहकर्मियों से अधिक तैयार रहना पड़ता है। विशेष अतिथि सेवानिवृत्त अनुपमा कुमारी कहा कि दक्षता बढ़ाने महिलाओं को घर और कार्यस्थल दोनों पर सहयोगी तंत्र विकसित करने की जरुरत है। स्वयंसिद्धा की संस्थापक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने कहा कि अपने बेटों और भाइयों में लैंगिक संवेदनशीलता विकसित करें और उन्हें महिलाओं के प्रति सम्मान और गरिमा का व्यवहार सिखाएँ। संस्था की मानद सचिव डॉ. सुप्रिया त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन व संचालन छात्रा आराधना ने किया।

सिटी इवेंट

समाज के विकास के लिए हर व्यक्ति तक पहुंचना है आवश्यक : ताम्रध्वज

भिलाई। साहू मित्र सभा भिलाई नगर के तत्वावधान में कर्मा जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया।कार्यक्रम के पूर्व विशाल कलश यात्रा साहू संस्कृतिक सदन सुपेला से निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, प्रमुख अतिथि रामशीला साहू पूर्व मंत्री थे। अध्यक्षता चंद्रभूषण साहू जिला साहू संघ भिलाई नगर ने की। अति विशिष्ट अतिथि रमेश साहू, खिलावन साहू, गिरवर साहू बंटी सभापति भिलाई निगम, हरिद्वारिका साहू, एमके साहू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता कर्मा मंदिर में पूजा अर्चना के साथ हुआ। शोभायात्रा में कैंप-2 इकाई महिलाओं ने जसगीत की प्रस्तुति दी। महिलाओं द्वारा फ्रूट आर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें नोमिन साहू प्रथम, बसंती साहू द्वितीय, अन्नपूर्णा साहू तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कोहका, खुर्सीपार और हाउसिंग बोर्ड इकाई के बालिकाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। तहसील अध्यक्ष खेदराम साहू ने कहा कि समाज के विकास के लिए हर व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। व्यक्ति के सुख-दुख में समाज की हिस्सेदारी होना चाहिए। मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू ने कहा कि समाज में व्याप्त सामाजिक दुर्दशा की ओर जाने के कारणों को उल्लेखित कर समाज में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को चिन्तन मनन करें। कार्यक्रम में डॉ. सुनील साहू, रामशीला साहू, खिलावन साहू, तुलसी साहू, रंजना साहू, परसराम साहू, भरतराम साहू, हीराशंकर साहू, दीपेश्वरी साहू आदि उपस्थित थे। संचालन महासचिव उन्मेष साहू और आभार रंजना साहू ने किया।

● नवरात्र की पंचमी पर जगह-जगह आयोजन, मंदिरों में विधि-विधान से पूजा अर्चना

धर्मप्रेमियों ने कंधे में पालकी उठाकर माता को कराया नगर भ्रमण, झांकी में नजर आया गोरिल्ला

दुर्ग। धार्मिक नगरी दुर्ग के सत्तीचौरा में स्थित दुर्गा मंदिर के 16वें वार्षिकोत्सव एवं चेत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर बाजे गाजे झांकी घोड़ी, बग्गी आतिशबाजी के साथ माता को पालकी में बैठाकर नगर भ्रमण कराया गया। जिसमें विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध जस झांकी मंडली द्वारा आकर्षित झांकी की प्रस्तुति ने धूम मचा दी। इधर सोमवार को पंचमी के दिन देवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। चंडी मंदिर, शीतला मंदरि, हनुमान मंदिर, हनुमान मंदिर सेक्टर-9 सहित अन्य जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई।दुर्गा मंदिर के 16 वे वार्षिक उत्सव एवं चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर माता की ऐतहासिक पालकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गंजपारा से शनिचरी बाजार, गांधी चौक, मोती काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्किट, चंडी चौक, शिवपारा सिद्धार्थ नगर से होते हुए माँ दुर्गा मंदिर पहुंची। चलित झांकी, धुमाल पार्टी, डीजे, जस झांकी घोड़ी बग्गी साथ-साथ रही। झांकी में गोरिल्ला आकर्षण का केंद्र रहा।

दुर्गा मंदिर के 16 वे वार्षिक उत्सव एवं चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर माता की ऐतहासिक पालकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गंजपारा से शनिचरी बाजार, गांधी चौक, मोती काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्किट, चंडी चौक, शिवपारा सिद्धार्थ नगर से होते हुए माँ दुर्गा मंदिर पहुंची। चलित झांकी, धुमाल पार्टी, डीजे, जस झांकी घोड़ी बग्गी साथ साथ रही। सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर में स्थापित चांदी की उत्सव मूर्ति को पालकी में बैठाया। पालकी को कंधे में उठाकर माता जी मन्दिर परिसर से बाहर निकालकर रखा जहां भक्तो द्ववारा पूजा अर्चना की गई। शोभायात्रा में गोरिल्ला कलाकार में सभी का दिल जीत लिया पूरे धर्मप्रेमियों के बीच में आकर माता के भजनों में झूमते नजर आए, जो आकर्षण का केंद्र रहा। आयोजन में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, राजेंद्र साहू, सभापति श्याम शर्मा, राजेश यादव, अजय शर्मा, अशोक राठी, महेश टावरी, प्रवीण भूतड़ा, योगेन्द्र शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

दादी रानी सती का मंगलपाठ, इधर सेक्टर-6 बम्लेश्वरी मंदिर भक्तों का तांता

नवरात्र पंचमी के अवसर पर 16 वे वार्षिकोत्सव के पांचवें दिवस सोमवार को दोपहर 1 बजे से दुर्गा मंदिर मन्दिर सत्तीचौरा में परिसर में दादी रानी सती का मंगलपाठ का आयोजन किया। इसमें प्रसिद्ध भजन गायक तरुण सोनी रायपुर द्वारा सुंदर एवं मधुर भजनों के साथ दादी जी का मंगलपाठ की प्रस्तुति दी गई। मंगलपाठ में सभी महिलाएं लाल, पीली साड़ी में नजर आईं। सेक्टर-6 मां बम्लेश्वरी मंदिर में पंचमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी। दर्शन के लिए लंबी कतारें लगीं। सुबह से ही विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। हवन अनुष्ठान संपन्न कराया गया।

हुडको कालीबाड़ी में बासंती पूजा की तैयारी पूरी, सुबह से होंगे हवन-पूजन व अनुष्ठान

भिलाई। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भिलाई के हुडको स्थित रबिन्द्र निकेतन कालीबाड़ी में बासंती पूजा 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 19 मार्च से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में ज्योति कलश स्थापना और मूर्ति स्थापना के साथ पूजा की शुरुआत की गई। इसके बाद प्रतिदिन चंडी पाठ, पुष्पांजलि और संध्या आरती का क्रम जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जनरल सेक्रेटरी रूपक दत्ता व संरक्षक श्यामल रॉय ने बताया कि 24 मार्च से षष्ठी पूजा के साथ बासंती पूजा का विशेष चरण शुरू होगा। 25 मार्च को महा सप्तमी, 26 मार्च को महा अष्टमी और 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर महा नवमी पूजा, यज्ञ और विशेष अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। 26 मार्च को संधि पूजा का विशेष आयोजन निर्धारित समय पर किया जाएगा, जो इस पूरे उत्सव का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान माना जाता है। 28 मार्च को दशमी पूजा, सिंदूर दान उत्सव और प्रतिमा विसर्जन के साथ इस भव्य आयोजन का समापन होगा। विजयादशमी के दिन पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उत्सव की पूर्णाहुति की जाएगी। आयोजन समिति ने जानकारी दी है कि सप्तमी, अष्टमी और नवमी के अवसर पर विशेष महाभोग की व्यवस्था की गई है। वहीं 25 से 27 मार्च तक प्रतिदिन रात 8 बजे प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। वहीं 2 अप्रैल को हनुमान जयंती और अप्रैल महीने में बंगाली नववर्ष तथा काली-शिव नवग्रह प्रतिष्ठा पूजा का आयोजन भी प्रस्तावित है। अष्टमी के दिन संधि पूजा भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। दशमी के दिन पूजा के साथ ही पारंपरिक सिंदूर खेला और विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए भोग-प्रसाद वितरण किया जाएगा।

अनुष्का बनीं फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़

भिलाई। एमबीबीएस छात्रा अनुष्का सोन को फेमिना मिस इंडिया 2026 के 61वें संस्करण के लिए मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 के रूप में चयनित किया गया है। वे इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता की प्रारंभिक चयन प्रक्रिया कोलकाता में आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों प्रतिभागियों में से पांच फाइनलिस्ट चुनी गईं। इसके पश्चात अंतिम ऑडिशन मुंबई में हुआ, जहां इस प्रतियोगिता में नताशा ग्रोवर, निकिता पोरवाल फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024, गोकुल गणेशन मिस्टर इंडिया वर्ल्ड 2024, अल्तमास फराज, सचिन कुम्भार, डॉ. ब्लॉसम कोच्चर, संदीप सोपरकर जैसे प्रतिष्ठित निर्णायकों द्वारा अनुष्का सोन को यह खिताब प्रदान किया गया। देशभर के विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिभागियों को अब लगभग एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद भव्य अंतिम चरण भुवनेश्वर में आयोजित होगा, जहां देश को उसकी नई फेमिना मिस इंडिया 2026 मिलेगी। फेमिना मिस इंडिया, द टाइम्स ग्रुप द्वारा उनके प्रमुख ब्रांड फेमिना के अंतर्गत आयोजित एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, प्रतिभा और सामाजिक समझ का मूल्यांकन करना है। विजेता को अंतरराष्ट्रीय मंच, विशेष रूप से मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है। इस मंच से आगे बढ़कर ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा, सुष्मिता सेन, मानुषी छिल्लर जैसे अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तित्व राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं।

खो-खो, कबड्डी, बिल्लस, गोटा, फुगड़ी, चम्मच दौड़, रस्सा खींच जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन

बचपन का टिकट... 29 को गृहिणी महिलाओं के लिए अनोखा आयोजन, सरोज लेंगी बोरा दौड़ में भाग

कार्नर न्यूज

दुर्ग। शहर में गृहिणी महिलाओं के लिए एक खास तरह का आयोजन होने जा रहा है। सखी सहेली महिला समूह द्वारा 29 मार्च को शाम 4 बजे से यह आयोजन किया जाना तय किया गया है। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें किसी भी पेशेवर या खिलाड़ियों को खेलने का मौका नहीं दिया जाएगा। विशेष रूप से गृहिणी महिलाओं को खो-खो, कबड्डी, बिल्लस, गोटा, फुगड़ी, चम्मच दौड़, रस्सा खींच, बोरा दौड़, जलेबी दौड़ सहित अन्य पारंपरिक खेलों में अपनी प्रतिभा का मौका दिखाने का अवसर दिया जाएगा। इस आयोजन में बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। उन्होंने कहा कि वे बोरा दौड़ में शामिल होंगी। बचपन से ही उन्हें बोड़ा दौड़ पसंद है। इस बार भी वे इस दौड़ में शामिल होंगी और जीत हासिल करेंगी। कार्यक्रम की पंजीयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए मोबाइल नंबर 9425555002, 9685841086, 9340302838 पर पंजीयन कराया जा सकता है। सरोज पांडेय ने सोमवार को मीडिया से चर्चा के दौरान इस पूरे आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महापौर अल्का बाघमार, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, उषा टावरी, शैल चंद्राकर, सरिता मिश्रा, तृप्ति चंद्राकर, कुमुद बघेल, स्वीटी कौशिक सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

बचपन के दिन लौटाने की एक कोशिश, हर महिला को जोड़ेंगे

सरोज पांडेय ने कहा कि यह आयोजन बचपन के दिन लौटाने का एक प्रयास है। प्रयास रहेगा कि हर महिला को इस आयोजन से जोड़ा जाए। पंजीयन पूरी तरह से निशुल्क है। विजेता को आकर्षक उपहार दिए जाएंगे। आयोजन में पूरे जिले की महिलाएं शामिल हो सकती हैं। महिलाओं के जीवन में उमंग व उल्लास के रंग भरने अनूठी पहल की गई है। इस खेल प्रतियोगिता को बचपन के टिकिट का नाम दिया गया है। प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, बिल्लस, गोटा, फुगड़ी, चम्मच दौड़, रस्सा खींच, बोरा दौड़, जलेबी दौड़ एवं अन्य प्रतियोगिताएं आकर्षण का केन्द्र होगी। साथ ही महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हौजी गेम को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया है।

पहुंचने वाली हर महिला को दिया जाएगा बर्फ का गोला

इस आयोजन में शामिल होने वाली हर महिला को उनके बचपन के दिनों को फील कराने का प्रयास किया जाएगा। आने वाली महिलाओं को बर्फ का गोला दिया जाएगा। बलून और बॉम्बे मिठाई दी जाएगी। प्रयास किया जाएगा कि उनके बचपन के दिनों के मेले को याद कराया जा सके। दो वर्गों में यह प्रतियोगिता होगी। पहला 18 से 25 वर्ष और दूसरा 25 से अधिक आयु वर्ग की महिलाओं को शामिल किया गया है। आयोजन समिति द्वारा सभी व्यवस्थागत तैयारियां जोर-शोर से जारी है।

खिलाड़ियों को आयोजन में एंट्री नहीं, वे सिर्फ दर्शक दीर्घा में रहेंगी

आयोजकों ने बताया कि खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। वे केवल दर्शक दीर्घा में बैठकर आयोजन में शामिल हो सकती हैं। यह आयोजन विशुद्ध रूप से घरेलू महिलाओं के लिए आयोजित किया जा रहा है। सरोज पाण्डेय ने कहा कि बचपन का टिकट एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा एक अद्भुत प्रयास है। बचपन का टिकट यह नाम सुनते ही मन में मुस्कान आ जाती है, यादें ताजा हो जाती हैं और जीवन की वही निश्छल, निर्मल, चिंता-मुक्त दुनिया आँखों के सामने आ जाती है। हमारी मातृशक्ति जो पूरे परिवार की धुरी हैं, जो अपने सपनों से पहले अपने बच्चों के सपनों को सजाती हैं, जो अपनी खुशियों से पहले परिवार की खुशियों को प्राथमिकता देती हैं। वे अक्सर जीवन की आपाधापी में स्वयं को कहीं पीछे छोड़ देती हैं।

सिटी इवेंट

सीए के विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का भ्रमण

भिलाई। सीआईसीएएसए के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को करीब से देखने का अवसर मिला।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। इस यादगार पल को कैमरे में कैद करते हुए उनके साथ छायाचित्र भी लिया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही को लाइव सत्र के माध्यम से देखा, जिसमें विभिन्न जनहित मुद्दों पर हो रही चर्चा और बहस को समझने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन की भव्य और आधुनिक वास्तुकला का अवलोकन किया। भवन की संरचना एवं व्यवस्थाओं ने विद्यार्थियों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर भिलाई सीआईसीएएसए शाखा के अध्यक्ष सुखदेव राठी, सचिव प्रतीक अग्रवाल और चेयरमैन तलविंदर सिंह सैनी उपस्थित थे। इस आयोजन के लिए सीए राजेश कुमार बाफना, मिनेश जैन और प्रफुल कोठारी का विशेष योगदान रहा। साथ ही उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जी का विशेष आभार व्यक्त किया जाता है।

धर्म लाइव

शीतला मंदिर में नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण

दुर्ग। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध सतरुपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार को पंचमी पर मां सतरुपा शीतला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की मंदिर में बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। पंचमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण एवं ज्योति कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार, समाजसेवी मनोज राजपूत, सुरेन्द्र शर्मा, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर के आतिथ्य में किया गया। मंदिर परिसर में नक्काशीदार भव्य मुख्य प्रवेश द्वार लोकार्पण के बाद आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, सह-सचिव चंपा साहू, कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, संरक्षक भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेश साहू, दीनानाथ निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, पूर्व पार्षद कांता साहू, श्रीधर भजने, निशा ठाकुर, गणेश राम चौधरी, तोरण साहू, अरुण साहू के अलावा सतरुपा शीतला सेवा समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

- महापौर एवं अन्य अतिथियों ने ज्योति कक्ष निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

समाज इवेंट

अकीदतमंदों ने याद किया हजरत हैदर को, मांगी दुआएं

भिलाई। जामा मस्जिद दुर्ग के इमाम रहे हजरत अफजलुद्दीन हैदर का उर्स मुबारक सोमवार को सुबह कब्रिस्तान हैदरगंज में मनाया गया। उर्स में दुर्ग-भिलाई के अलावा आसपास के क्षेत्रों से हजरत हैदर के चाहने वाले अकीदतमंद बड़ी तादाद में इकट्ठा हुए। यहां सुबह 7 बजे से कुरआन ख्वानी के साथ आयोजन शुरू हुआ। उर्स में फातिहा ख्वानी हुई और हजरत हैदर की हालाते-जिंदगी पर आलिमे दीन ने रोशनी डाली। यहां हजरत हैदर के बेटे और जामा मस्जिद सेक्टर-6 के साबिक इमाम मरहूम हाफिज अजमलुद्दीन हैदर को भी लोगों ने याद किया। उर्स बड़ी कामयाबी के साथ सुबह 11.30 बजे तक चला। उर्स में तमाम मरहूमिन के इसाले सवाब के लिए 730 खत्म ए क़ुरआन शरीफ़, करोड़ो की तादात में दरूद, कलमा शरीफ़ और हजारों की तादात में मुख्तलिफ सिपारे बख्शे गए। उर्स का आगाज़ परचम कुशाई व तिलावते क़ुरआन से हुआ। तिलावत हज़रत हैदर के नवासे सैय्यद अहद अली ने की। इस दौरान मौलाना ताज़ीम अहमद मस्जिद शेर ऐ खुदा और मौलाना रिज़वान अशरफी केलाबाड़ी दुर्ग ने हज़रत अफजलुद्दीन हैदर की हालात ऐ ज़िन्दगी पर रोशनी डाली। वहीं महफिल में नात ओ मनकबत पेश किए गए। जलसे की निज़ामत मौलाना गुलाम मोहियुद्दीन ने की। दुर्ग-भिलाई की तमाम मस्जिदों-मदरसों के इमाम व उस्ताद इस इजलास में शरीक हुए। इनमें मुफ़्ती जलालुद्दीन, मुफ़्ती जामी क़मर अशरफी, कारी शराफ़त राजा, मौलाना अरशद रजा चरोदा, मुफ़्ती सलीम जामा मस्जिद दुर्ग, मौलाना मंसूर रज़ा तकिया पारा दुर्ग, इक़बाल अंजुम अशरफी इमाम जामा मस्जिद सेक्टर-6, कब्रिस्तान कमेटी के मुर्तुज़ा हुसैन, मिर्जा आसिम बेग सदर जामा मस्जिद सेक्टर 6, राजू सदर नूरी मस्जिद फरीद नगर, इरफान खान सदर कैम्प 1 मस्जिद, शमीम , शब्बू, करबला कमेटी के गुलाम सैलानी, अतहर खान, सैय्यद राशिद आली सहित अन्य चादर-शीरनी लेकर शामिल हुए।

● अखिल भारतीय उड़िया समाज की पहल, लोगों को साथ लाने होली मिलन समारोह का आयोजन

उड़िया समाज की महिलाओं का हुआ सम्मान, नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयास का लिया संकल्प

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज का होली मिलन एवं महिला सम्मान समारोह रविवार को भिलाई-3 में स्थित सोमनी के निधि रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई-चरोदा निगम महापौर निर्मल कोसरे ने शिक्षा के साथ आपसी एकजुटता से समाज को प्रगति के रास्ते पर ले जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की तरक्की में भावी पीढ़ी को शिक्षित और नशापान से दूरी बनाए रखना जरूरी है। उड़िया समाज के लोग मेहनतकश होते हैं इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन बच्चों को शिक्षित बनाने में गंभीरता दिखाएं तो समाज को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर समाज की प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज में नशे को लेकर फैले चलन के विरोध में सामूहिक प्रयास का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम की। अध्यक्षता कर रहे भिलाई-चरोदा निगम के सभापति कृष्णा चंद्राकर ने कहा कि भिलाई-चरोदा में उड़िया समाज की अच्छी खासी आबादी है। इसलिए समाज को एकजुट रहना चाहिए। जिससे समाज हित में उनकी मांग को शासन प्रशासन द्वारा नजर अंदाज नहीं किया जा सके।

उत्कृष्ट कार्य के लिए महिलाएं सम्मानित

समाज में अलख जगाने वाली महिलाएं सीमा जंघेल, पिंकी साहू, जयंती महानंद, रिद्धी महानंद, अंजली तांडी, वर्षा चौहान, सुभद्रा विभार, अनु विभार, पुष्पा सोना, जयंती महानंद, रूपा सोना, कस्तूरी राज और उत्कल मैरिज ब्यूरो की टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी ने अतिथियों को सामाजिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराते हुए सहयोग व समर्थन की अपेक्षा जताई।

सामाजिक बंधुओं ने एकजुटता का दिया संदेश

इस अवसर पर मौजूद समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुटता का संदेश दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उड़िया समाज के लोग बड़ी संख्या में निवासरत है। उनकी कई पीढ़ियां गुजर चुकी हैं, लेकिन वे अब तक एक मंच पर नजर नहीं आए हैं। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी संख्या बहुताया में है। समाज का यह संगठन सभी को एकजुट करने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में पार्षद तुषांत वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपाल मेहता, मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर,भोला साहू मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन व आभार महासचिव तरुण निहाल ने किया। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, संजय सोनवानी, मोंटू हरपाल, मनोज दुर्गा, तरुण दुर्गा, अर्जुन महानंद, अनिल बेनिया, प्रकाश दुर्गा, कविता महानंद, रमेश सागर, गौरव तांडी, कविता महानंद, धरम हरपाल, अनिल बेनिया, गौरव तांडी,रामचंद्र बेहरा आदि मौजूद थे।

गीत वितान कला केन्द्र का आयोजन

भिलाई में बसा शांतिनिकेतन का रंग, 32वें वसंत उत्सव में संगीत, नृत्य और कला का दिखा संगम

भिलाई। संगीत, नृत्य, चित्रकला और वादन प्रशिक्षण देने वाली संस्था गीत वितान कला केंद्र द्वारा 32वां वसंत उत्सव हर्षोल्लास के साथ शांतिनिकेतन की तर्ज पर स्वामी आत्मानंद उद्यान, मरोदा सेक्टर, भिलाई में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के मुख्य संरक्षक नरेंद्र कुमार बंछोर, वीके मोहम्मद, वंश बहादुर सिंह महासचिव इंटक, कला-साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शक्ति चक्रवर्ती, शांतनु दास गुप्ता और मुख्य सलाहकार डॉ. आरके. सोणवणे, गोविंद पाल, मनोज ठाकरे अध्यक्ष सैल्यूट तिरंगा संगठन व गीत वितान कला केन्द्र की अध्यक्ष रजनी सिन्हा द्वारा गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर व मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका निगम रिसाली के सभापति केशव बंछोर को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर वसंत वंदना 2026 से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण संस्था के नरेंद्र बंछोर द्वारा प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल की परंपरा के अनुसार रवीन्द्र संगीत और नृत्य "ओरे गृहवासी खोल द्वार खोल" से हुई। इस प्रस्तुति में छात्र-छात्राओं ने गुलाल उड़ाते हुए पदयात्रा कर वातावरण को पूर्णतः बसंती रंग में रंग दिया। इसके पश्चात वसंत ऋतु पर आधारित गीत, नृत्य एवं काव्य पाठ प्रस्तुत किए गए। चित्रकला के विद्यार्थियों ने कैनवास पर प्रकृति के अलग-अलग रंगों को खूबसूरती से चित्रित कर विशेष आकर्षण प्रस्तुत किया। वहीं वादन समूह ने गिटार, कीबोर्ड और अन्य वाद्य यंत्रों के साथ मां सरस्वती शारदे गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर संगत चंद्रा बनर्जी, तबले पर रूद्र प्रसन्न जेना, गिटार पर डेनिल कोसरिया, अमन बराडे एवं धैर्य हंस, बांसुरी पर मनीष वर्मा तथा कीबोर्ड पर हर्ष सोनटके ने उत्कृष्ट सहयोग दिया। कार्यक्रम का नृत्य और संगीत निर्देशन नृत्यमणि गुरु मिथुन दास द्वारा किया गया।

स्थापना दिवस पर आयोजन

आर्य समाज ने किया भिलाई-दुर्ग की प्रतिभावान महिलाओं का सम्मान

दुर्ग। आर्य समाज के स्थापना दिवस पर सेक्टर 6 स्थित भवन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजकों ने कहा कि आर्य समाज ने अपनी स्थापना के समय से ही नारीशिक्षा व उसके सर्वांगीण उत्थान में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने वेदों के आधार पर महिलाओं को शिक्षा, वेद पाठ और पुरुष के बराबर सम्मान का अधिकार दिलाया। कन्या पाठशालाओं, विधवा पुनर्विवाह और बाल विवाह विरोधी अभियानों के माध्यम से समाज में महिला सम्मान को पुनः प्रतिष्ठापित किया। आर्य समाज भिलाई सेक्टर 6 में इस कार्यक्रम का शुभारंभ संध्या और यज्ञ के पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। वैदिक विद्वान आचार्य प्रेम प्रकाश शास्त्री एवं डॉ. अजय आर्य ने वैदिक काल में परिवार,समाज व राष्ट्रनिर्माण में स्त्रियों की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। आर्य समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा रेणु गिरधर, सरोज बहल, सुषमा सोनी, सुदर्शन मल्होत्रा, दया ग्रोवर, फूलमती गुप्ता, अर्चना खंडेलवाल, ज्योति पुरंग, कमलेश आर्य, मधु गुप्ता, संध्या श्रीवास्तव, रीता भल्ला, श्वेता शर्मा, वीणा गुप्ता, सुधा वार्ष्णेय , शीला डोनेडे, नीता चौरसिया, रीता रानी शर्मा, डॉ. अनुपमा मौर्य, नीरू भल्ला, सुषमा मौर्य, प्रीति बेहरा, दीप्ति, सरिता, सीमा, विराजिका, मोहिनी गौतम, निधि चड्ढा, डॉ. नीलम मल्होत्रा, सोनिया पुरंग, सुधा वासने, हरिप्रिया, अंजू ठाकुर, शकुंतला द्विवेदी, सुमन साहू, शशि शर्मा, रश्मि डेहरी, सुचिता एवं महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय की शिक्षिकाओं का स्मृति चिन्ह एवं उत्तरीय के माध्यम से सम्मान किया गया।

साईं झूलेलाल धाम हाउसिंग बोर्ड में मनाया गया शहीद दिवस

याद की गई शहीद हेमू कलाणी की कुर्बानी, समाज के 18 लोगों ने किया रक्तदान, हेल्थ कैम्प में हुई स्वास्थ्य जांच

कार्नर न्यूज

भिलाई। सोमवार को सांई झूलेलाल धाम हाउसिंग बोर्ड में भगत सिंह अमर शहीद हेमू कालाणी की 103 वीं जयंती मनाई गई। उनकी शहादत और कुर्बानियों की गाथा समाज के सदस्यों को सुनाकर और देश के प्रति समर्पित भाव से सेवा करने की शपथ ली गई। आदर्श सिंध ब्रादर मंडल ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। आयोजन को यादगार बनाने के लिये समाज की ओर से समाज के सदस्यों में देशप्रेम और देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिये हेमू कालाणी के बलिदान के अनुरूप देश के रक्षक सैनिकों को समर्पित करते हुए 18 यूनिट रक्तदान किया गया। इसके अलावा हेल्थ कैम्प लगाया गया, जिसमें ब्लड और हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया। निशुल्क नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। यातायात सुरक्षा सप्ताह के तहत समिति ने रक्तदान करने वालों को उपहार स्वरूप हेलमेट प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में समाज के सुरेश जीवनानी, प्रदीप प्रेमचंदानी, अनिल थारवानी, लक्ष्मी नागदेव, आयुषी लालवानी, साक्षी प्रेमचंदानी, डाली थारवानी, गंगा चंदानी, पंकज आहूजा सहित अन्य मौजूद थे।

शहीद हेमू कलाणी ने किया था विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

समाज के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि जब कलाणी किशोर अवस्था के थे, तब उन्होंने अपने साथियों के साथ विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। लोगों से स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का आग्रह किया। सन 1942 में जब महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आन्दोलन चलाया तो हेमू इसमें कूद पड़े। 1942 में उन्हें यह गुप्त जानकारी मिली कि अंग्रेजी सेना हथियारों से भरी रेलगाड़ी रोहड़ी शहर से होकर गुजरेगी। हेमू कालाणी अपने साथियों के साथ रेल पटरी को अस्त व्यस्त करने की योजना बनाई। वे यह सब कार्य अत्यंत गुप्त तरीके से कर रहे थे। फिर भी वहां पर तैनात पुलिस कर्मियों की नजर उनपर पड़ी और उन्होंने हेमू कालाणी को गिरफ्तार कर लिया। हेमू कालाणी को फांसी की सजा सुनाई गई। 21 जनवरी 1943 को उन्हें फांसी की सजा दी गई।

भजन संध्या का आयोजन शहीदों को किया नमन

इसके बाद भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें वीर शहीदों को नमन किया गया। समाज की महिलाओं ने देश भक्ति और उनकी वीर गाथा के गीत और भजन गाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उनकी जीवनी से संबंधित प्रसंगों पर जीवनी को सुनाया गया। उनके तैल्य चित्र को प्रणाम कर सलामी देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। अमर शहीद हेमू कालाणी जिंदाबाद, हेमू कालाणी अमर रहे,भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे से भी उपस्थित सदस्यों द्वारा लगाए गए। समाज के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कृष्णानी ने बताया कि हेमू कालाणी एक क्रान्तिकारी एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे। अंग्रेजी शासन ने उन्हें फांसी पर लटका दिया था। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 को जन्मे थे। उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।

ज्योतिष

26 मार्च से इन राशियों की आर्थिक स्थिति में आ सकता है सुधार

ज्योतिष पंचांग के अनुसार 26 मार्च 2026 को धन, वैभव और सुख-सुविधाओं के कारक ग्रह शुक्र देव मेष राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं, जिसे मंगल ग्रह का घर माना जाता है। आपको बता दें कि यह गोचर कई राशियों के लिए विशेष फलदायी माना जा रहा है। खासतौर पर मेष, सिंह और कर्क राशि के जातकों के जीवन में आर्थिक सुधार, करियर में प्रगति और भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं।

मेष राशि : शुक्र ग्रह आपकी राशि से लग्न भाव पर गोचर करने जा रहे हैं। इस दौरान नए आय के स्रोत बन सकते हैं और रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। व्यापारियों को अच्छा लाभ मिलने के योग हैं। मान- सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन शानदार रह सकता है। वहीं इस दौरान अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

सिंह राशि : यह गोचर आपकी राशि से भाग्य स्थान पर होने जा रहा है। इसलिए इस समय करियर में उन्नति, प्रमोशन और आय में वृद्धि के संकेत हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिल सकती है। वहीं आप काम- कारोबार के संबंध से यात्रा कर सकते हैं। साथ ही इस समय आपके रुके हुए कार्य बन सकते हैं।

कर्क राशि : यह गोचर आपकी राशि से कर्म भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे आय में वृद्धि संभव है। वहीं व्यापारियों को अच्छा धनलाभ हो सकता है। वहीं कारोबार में कोई बड़ी डील होने की संभावना है। लेकिन इस समय आपको पेपर पर साइन थोड़ा सोच समझकर करने चाहिए।

25 मार्च से गजकेसरी राजयोग, इन राशियों की बल्ले-बल्ले

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 25 मार्च को चंद्रमा मिथुन राशि में प्रवेश करने वाले हैं, जिससे वह मार्गी गुरु के साथ युति करके पावरफुल गजकेसरी राजयोग का निर्माण करने वाले हैं। इस राजयोग का निर्माण करने से कुछ राशि के जातकों को सुख-समृद्धि, धन-संपदा और मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। बता दें कि गजकेसरी राजयोग का निर्माण तब होता है जब गुरु बृहस्पति और चंद्रमा की युति हो रही हो या फिर एक-दूसरे से केंद्र स्थान में हों।

वृषभ राशि : वृषभ राशि में गुरु बृहस्पति दूसरे भाव यानी धन भाव में विराजमान है, जिससे गजकेसरी राजयोग इसी भाव में बनेगा। ऐसे में इस राशि के जातकों को नौकरी और बिजनेस में काफी लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए ये राजयोग काफी लाभकारी हो सकता है। आपके काम और मेहनत को देखते हुए कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

सिंह राशि : इस राशि के जातकों के लिए भी गुरु-चंद्र की युति से बना गजकेसरी राजयोग लाभकारी हो सकता है। इस राशि के 11वें भाव में दोनों ग्रहों की युति हो रही है। इस भाव को इच्छापूर्ति का भाव कहा जाता है। ऐसे में इस राशि के जातकों को नौकरी में सफलता हासिल हो सकती है। आपको अपार सफलता के साथ प्रमोशन मिल सकता है। इसके साथ ही प्रेम और दांपत्य जीवन भी अच्छा जाने वाला है।

कन्या राशि : इस राशि के जातकों के लिए भी गुरु-चंद्रमा का गजकेसरी राजयोग लाभकारी हो सकता है। इस राशि के दशम भाव में गजकेसरी राजयोग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा जातकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। आपको अपार सफलता के साथ पदोन्नति मिल सकती है।

गलत खान-पान कब्ज, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन और पेट दर्द जैसी कई समस्याओं का कारण बन सकता है

नवरात्रि के दौरान उपवास में स्वास्थ्य संबंधी बातों का रखें ध्यान, होगा फायदा

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है, जो 9 दिनों तक चलती है। इस अवसर पर कई लोग उपवास रखते हैं। हालांकि, उपवास के दौरान सेहत पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि उपवास के समय गलत खान-पान कब्ज, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन और पेट दर्द जैसी कई समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए आज हम आपको नवरात्रि के दौरान ध्यान रखने योग्य स्वास्थ्य टिप्स बताते हैं।

उपवास के दौरान लगातार पानी पीते रहें

उपवास के दौरान पानी का सेवन कम कर दिया जाता है, जो शरीर के लिए सही नहीं है। पानी का पर्याप्त सेवन शरीर के साथ-साथ पाचन क्रिया को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और गर्मियों में होने वाली कई समस्याओं से बचाए रखता है। इसके अलावा पानी पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं। इससे शरीर स्वस्थ रहता है और ऊर्जा बनी रहती है।

पोषक तत्वों से भरपूर खाएं फल

उपवास के दौरान कई लोग आलू या फिर सेंक कर खाए जाने वाले शकरकंद जैसे स्टार्च से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर लेते हैं, लेकिन इससे शरीर को पोषण नहीं मिलता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप उपवास के दौरान अधिक से अधिक फल खाएं क्योंकि फल विटामिन्स, खनिज और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। ये गुण शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

खाली पेट न रहें

खाली पेट रहना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। इससे शरीर में शुगर का स्तर गिरने लगता है और इससे चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, पेट दर्द जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप उपवास के दौरान ज्यादा देर तक भूखे न रहें और थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाते रहें। इसके लिए आप फल, सब्जी का रस या फिर सूखे मेवे खा सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी पोषण मिलता रहता है।

कैफीन का सेवन कम करें

उपवास के दौरान चाय या कॉफी का सेवन ज्यादा किया जाता है, लेकिन इसकी अधिकता सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इससे बचने के लिए चाय या कॉफी की बजाय हर्बल चाय का सेवन करें। इससे आपको कैफीन नहीं मिलेगी और आपको नींद भी अच्छी आएगी। इसके अलावा हर्बल चाय शरीर को साफ करने में भी मदद कर सकती है। इससे शरीर को आराम मिलता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

बचे हुए खाने को फेंकने के बजाय दें नया ट्विस्ट, उससे बना लें ये बेहतरीन पकवान

अक्सर ऐसा होता है कि लोग ज्यादा खाना बना लेते हैं और फिर उसे दोबारा गर्म करके खाते हैं। हालांकि, एक बार का बचा हुआ खाना दोबारा खाने का मन नहीं करता। ऐसे में आप उसे फेंकने के बजाय उससे कुछ नया बना सकते हैं। आइए आज हम आपको बचे हुए खाने से बनाए जाने वाले कुछ व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ बनाने में भी आसान हैं। इनका स्वाद चखकर आपका मन तृप्त हो जाएगा।

छोले टिक्की : छोले की टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले छोले को मिक्सी में पीस लें। एक बर्तन में इसे डालकर इसमें अदरक का पेस्ट, बारीक कटी हरी मिर्च, उबले हुए आलू, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और थोड़ा-सा पका हुआ चावल डालें। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और टिक्की का आकार देकर तेल लगाकर तवे पर सुनहरा होने तक सेकें। चटनियों के साथ इन टिक्कियां का आनंद लें।

खिचड़ी कटलेट : अगर अपने ज्यादा खिचड़ी बना ली थी तो उससे आप लजीज कटलेट तैयार कर सकते हैं। एक कटोरे में बची हुई खिचड़ी को डालकर उसमें बारीक कटा प्याज, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटी हरी धनिया, अदरक का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, थोड़ा-सा बेसन और थोड़े-से ब्रेड क्रम्ब्स मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर उन्हें तवे पर तेल लगाकर सुनहरा होने तक सेकें। आप चाहें तो इसमें अन्य मसाले और सब्जियां भी मिला सकते हैं।

आलू का सैंडविच : अगर घर पर आलू की सब्जी बची हुई है तो उससे नाश्ते में आलू वाले सैंडविच बनाना बढ़िया निर्णय होगा। इसके लिए ब्रेड पर मक्खन लगाएं और एक स्लाइस पर सॉस फैला लें। अब दूसरी स्लाइस पर आलू को हल्का मीस कर फैला दें। इस पर खीरा, टमाटर, लेटस, प्याज और ककड़ी जैसी सब्जियां रखें। अब चीज, मेयोनीज और नमक-काली मिर्च छिड़ककर दोनों स्लाइस को आपस में जोड़ें। सैंडविच को हल्का सेकें और खाएं।

दाल के वड़े : सबसे पहले एक कटोरे में बची हुई दाल के साथ थोड़ा-सा बेसन डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और थोड़े-से ब्रेड क्रम्ब्स डालकर अच्छे से मिलाएं।

हलवे के साथ-साथ सूजी से बनती हैं ये भारतीय मिठाइयां

सूजी एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जो अक्सर भारतीय खान-पान में इस्तेमाल होता है। यह न केवल स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि सेहत के लिए भी अच्छी है। सूजी से कई प्रकार की मिठाइयां बनाई जा सकती हैं, जो आपके खाने के अनुभव को और भी खास बना सकती हैं। आइए आज के लेख में हम आपको सूजी से बनने वाली भारतीय मिठाइयों की आसान रेसिपी बताते हैं। ये किसी भी त्योहार के मेन्यू में शामिल की जा सकती हैं।

सूजी का हलवा : सूजी का हलवा एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए पहले घी में सूजी को भूनते हैं, फिर इसमें पानी डालकर पकाते हैं। जब सूजी पक जाए तो इसमें चीनी डालकर मिलाते हैं और ऊपर से काजू और बादाम डालते हैं। यह मिठाई बहुत ही स्वादिष्ट होती है और बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आती है। आप इसमें इलायची भी डाल सकते हैं।

सूजी के लड्डू : लड्डू भारतीय मिठाइयों में बहुत लोकप्रिय होते हैं, जिन्हें सूजी से भी बनाया जा सकता है। इन्हें बनाने के लिए सबसे पहले घी में सूजी को भूना जाता है। इसके बाद इसमें बादाम और पिस्ता आदि जैसे बारीक कटे सूखे मेवे मिलाए जाते हैं। अब इस मिश्रण को चीनी के साथ मिलाकर छोटे-छोटे गोल लड्डू बना लिए जाते हैं। यह लड्डू खास मौकों पर बनाए जाते हैं और पूजा में भोग लगाने के लिए बढ़िया रहते हैं।

सूजी की बर्फी : सूजी की बर्फी भी एक खास मिठाई है, जिसे आप हर त्योहार जैसे अवसर पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले खोया और सूजी को भून लें। इसके बाद इस कढ़ाई में दूध शामिल करें और कुछ देर उसे पका लें। जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो इसमें इलायची पाउडर और पिसी चीनी मिला दें। अपनी पसंद के सूखे मेवे शामिल करें और मिश्रण को थाली पर फैलाकर ठंडा करें। अब इसे बर्फी के आकार में काट लें।

खीर : खीर एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे दूध, चावल और चीनी से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए पहले चावल को पानी में भिगोते हैं, फिर दूध में उबालते हुए चीनी मिलाते हैं। अब इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाते हुए गाढ़ा कर लेते हैं।

गर्मियों के दौरान गर्भवती महिलाओं को रखना पड़ता है खुद का विशेष ध्यान

गर्भावस्था एक अहम और संवेदनशील समय होता है, जिसमें महिलाओं को खास देखभाल और सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। गर्मियों में बढ़ता तापमान और उमस गर्भवती महिलाओं के लिए कई चुनौतियां पैदा कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में सुरक्षित और स्वस्थ रह सकती हैं। इन उपायों को अपनाकर आप न केवल अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख पाएंगी, बल्कि अपने होने वाले बच्चे का भी ख्याल रख पाएंगी।

पर्याप्त पानी पिएं : गर्मियों में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पानी आपके शरीर को तरोताजा रखता है और पानी की कमी से बचाता है। कोशिश करें कि दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा आप नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी ले सकती हैं। इससे आपका शरीर पानी से भरपूर रहेगा और आपको थकान या चक्कर आने जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

हल्के कपड़े पहनें : गर्भावस्था के दौरान हल्के कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। सूती या लिनन जैसे हल्के कपड़े पहनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने देंगे और आपको ठंडक पहुंचाएंगे। तंग कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे आपके शरीर पर दबाव डाल सकते हैं और असुविधाजनक हो सकते हैं। ढीले-ढाले कुर्ते और सलवार या सूती साड़ी पहनें, जो न केवल आरामदायक हों बल्कि स्टाइलिश भी दिखें।

समय-समय पर आराम करें : गर्भावस्था में शरीर पर अतिरिक्त भार होता है, इसलिए समय-समय पर आराम करना बहुत जरूरी है। काम करते समय थोड़ी-थोड़ी देर बाद बैठकर आराम करें या लेट जाएं। इससे आपकी थकान कम होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगी, खासकर अगर आप गर्मियों में कोई भी भारी काम कर रही हों तो बीच-बीच में आराम करना न भूलें। इससे आपका शरीर ऊर्जा से भरा रहेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगी।

पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें

गर्भावस्था के दौरान सही पोषण लेना बहुत जरूरी है। अपने खाने में फल, सब्जियां, दालें और दूध से बने उत्पाद शामिल करें ताकि आपके शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिल सकें। ताजे फलों का रस या स्मूदी पीएं, जो आपके शरीर को ठंडक देंगे और आपको ऊर्जा प्रदान करेंगे। इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, मूंगफली और बादाम जैसे नट्स भी आपके खाने में शामिल करें, जो आपके लिए फायदेमंद होंगे।

बाहर जाने से पहले मौसम देखें: अगर आपको बाहर जाना जरूरी हो तो पहले मौसम की जानकारी ले लें ताकि आपको अत्यधिक गर्मी या बारिश जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। सुबह या शाम के समय ही बाहर निकलें जब तापमान कम हो। इस तरह आप न केवल सुरक्षित रहेंगी बल्कि अपने दिनचर्या को भी आसानी से पूरा कर पाएंगी। इन सरल लेकिन प्रभावी उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में गर्भावस्था का आनंद ले सकती हैं।

कार्नर न्यूज

स्मार्टफोन अब केवल जरूरत नहीं, बल्कि एक लत बन चुका है

क्या सिरहाने मोबाइल रखकर सोने से कैंसर होता है? जानिए क्या कहती है मेडिकल रिसर्च

भारत में स्मार्टफोन अब केवल जरूरत नहीं, बल्कि एक लत बन चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश भारतीय सोने से ठीक पहले तक मोबाइल स्क्रॉल करते हैं और फिर उसे सिर के पास रखकर सो जाते हैं। हाल ही में लॉस एंजेलिस के प्रसिद्ध एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. मायरो फिगुरा के एक वायरल इंस्टाग्राम पोस्ट ने इस आदत को लेकर नई बहस छेड़ दी है। आइए जानते हैं दावे की सच्चाई।

क्या मोबाइल रेडिएशन वाकई कैंसर का कारण है?

डॉ. फिगुरा के अनुसार, मोबाइल फोन उस समय भी रेडिएशन निकालता है, जब वह इस्तेमाल में नहीं होता। उनका दावा है कि लंबे समय तक फोन को सिर के पास रखने से न केवल अच्छी नींद प्रभावित होती है, बल्कि यह सिरदर्द और भविष्य में कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा सकता है।

नॉन-आयोनाइजिंग रेडिएशन का विज्ञान

विशेषज्ञ बताते हैं कि मोबाइल से निकलने वाली तरंगें 'नॉन-आयोनाइजिंग रेडिएशन' की श्रेणी में आती हैं। यह सूरज की पराबैंगनी किरणों या एक्स-रे (आयोनाइजिंग रेडिएशन) की तरह सीधे हमारे डीएनए को नुकसान नहीं पहुँचातीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोबाइल रेडिएशन को 'संभावित रूप से कार्सिनोजेनिक' की श्रेणी में रखा है।

क्या कहते हैं कैंसर एक्सपर्ट?

कैंसर विशेषज्ञों के विचार इस मुद्दे पर थोड़े अलग और स्पष्ट हैं। उनका कहना है कि वर्तमान में ऐसा कोई वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध नहीं है जो सीधे तौर पर मोबाइल की रेडियोफ्रीक्वेंसी को ब्रेन ट्यूमर या कैंसर से जोड़ सके। अब तक किए गए वैश्विक अध्ययनों में मोबाइल रेडिएशन और कैंसर के बीच कोई ठोस संबंध नहीं हो पाया है। सोते समय फोन को अपने बिस्तर से कम से कम 3-5 फीट दूर रखें। फोन को अलार्म के लिए इस्तेमाल न करें, इसके बजाय एक साधारण अलार्म घड़ी खरीदें। यदि फोन पास रखना जरूरी है, तो उसे 'एयरप्लेन मोड' पर डाल दें ताकि रेडियो तरंगें कम हो सकें।

कैंसर नहीं नींद को ज्यादा खतरा

नींद और मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों का मानना है कि कैंसर से कहीं ज्यादा बड़ा और तात्कालिक खतरा आपकी नींद को लेकर है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को रोकती है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है। नोटिफिकेशन, वाइब्रेशन और अलर्ट की वजह से हमारा दिमाग सोते समय भी पूरी तरह शांत नहीं हो पाता। चार्जिंग के दौरान फोन को तकिए के नीचे रखने से वह गर्म हो सकता है, जिससे आग लगने या बैटरी फटने का जोखिम रहता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

गेम ऑफ थ्रोन्स' एक्टर जेसन परिवार समेत घर से भागने पर मजबूर

'गेम ऑफ थ्रोन्स' एक्टर जेसन मोमोआ इस वक्त अपने पूरे परिवार के साथ हवाई स्थित अपने घर को छोड़कर निकल चुके हैं। दरअसल हवाई में भीषण बाढ़ आई है जैसे 20 साल में अब तक नहीं दिखा। यहां हफ्तों से जारी भारी बारिश के कारण राज्य में चेतावनी जारी कर दी गई। जेसन ने सोशल मीडिया पर हवाई की तबाही वाले मंजर के कुछ खौफनाक वीडियोज भी शेयर किए हैं। हवाई में हफ्तों से जारी भारी बारिश की वजह से पिछले 20 वर्षों में सबसे भीषण बाढ़ आई है। बाढ़ का कहर देखकर इस इलाके से काफी लोग अपना-अपना घर छोड़कर वहां से पलायन कर रहे हैं। इन लोगों में 'गेम ऑफ थ्रोन्स' एक्टर जेसन मोमोआ भी शामिल हैं। बता दें कि जेसन अगली बार 'सुपरगर्ल' में नजर आएंगे। 'गेम ऑफ थ्रोन्स' एक्टर ने सोशल मीडिया पर हवाई के हालात की झलकियां दिखाई हैं जो काफी डरावनी हैं। उन्होंने बताया है कि सुरक्षा कारणों से जिन लोगों को अपना इलाका खाली करना पड़ा है, उनमें वो भी शामिल हैं। बता दें कि मोमोआ और उनका पूरा परिवार ओआहू के नॉर्थ शोर पर रहता है। जैसे ही तूफान ने इलाके में दस्तक दी और बाढ़ का खतरा दिखना शुरू हुआ एक्टर को अपने परिवार के साथ अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर वहां हो रही घटनाओं का नजारा भी दिखाया है।

टॉलीवुड

यश की टॉक्सिक के बाद अब दृश्यम 3 की रिलीज भी टलेगी

यश की टॉक्सिक के बाद अब मोहनलाल की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3' भी पोस्टपोन हो सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर जीतू जोसेफ और उनकी टीम 3 अप्रैल 2026 की रिलीज डेट को टालने पर विचार कर रही है। सिनेमाघरों में 'धुरंधरः द रिवेंज' की धूम मची है। बीते 19 मार्च को रिलीज इस फिल्म ने 4 दिनों के एक्सटेंडेड वीकेंड और प्रीमियर शोज मिलाकर देश में 454.12 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है। पहले यश की 'टॉक्सकि' भी बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' के साथ टकराने वाली थी, लेकिन ऐन मौके पर मेकर्स ने इसे 4 जून तक के लिए पोस्टपोन कर दिया, वहीं अब मोहनलाल की फिल्म 'दृश्यम 3' भी पोस्टपोन होने वाली है। खबर है कि 3 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली यह क्राइम थ्रिलर भी टलने वाली है। हालांकि, इसकी वजह कथित तौर पर वही बताई जा रही है, जो टॉक्सिक के मेकर्स ने बताई थी। यानी खाड़ी देशों में युद्ध के कारण बढ़ता संघर्ष, जिस कारण ओवरसीज बिजनेस प्रभावित होगा। राइटर-डायरेक्टर जीतू जोसेफ की फिल्म 'दृश्यम 3' साल 2013 में शुरू हुई 'दृश्यम' फ्रेंचाइज की तीसरी किस्त है। इससे पहले 2021 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई है। फ्रेंचाइज की इस तीसरी फिल्म को लेकर एक और दिलचस्प बात ये है कि मूल रूप से मलयलाम में बनी यह फिल्म इस बार हिंदी सहित दूसरी भारतीय भाषाओं में भी रिलीज होगी। जबकि इससे पहले अजय देवगन को लीड रोल में लेते हुए 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' का हिंदी रीमेक बना था। लगे हाथ अजय देवगन भी इसी साल अलग कहानी लेकर

भोजपुरी

खेसारी संग आकांक्षा का रोमांटिक डांस, यूजर्स ने किए कमेंट

इन दिनों भोजपुरी में खेसारी लाल यादव और आकांक्षा पुरी की जोड़ी का जलवा देखने को मिल रहा है। दोनों साथ में न सिर्फ फिल्में कर रहे हैं, बल्कि कई गाने भी कर चुके हैं और कर रहे हैं। आकांक्षा पुरी और खेसारी अब जल्द ही एक और गाने में नजर आएंगे, जिसके शूट का वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में आकांक्षा और खेसारी के बीच रोमांटिक एंगल शूट किया जा रहा है। आकांक्षा सीन में खेसारी से लिपटी नजर आ रही हैं। इस पर यूजर्स के काफी कमेंट्स आ रहे हैं। आकांक्षा पुरी ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, और फैंस के बीच सुर्खियां बटोर रहा है। एक यूजर ने लिखा है, 'क्या जोड़ी है खेसारी भैया।' एक बोला, 'आकांक्षा भाभी आई लव यू।' एक ने लिखा, 'सुपरस्टार खेसारी लाल यादव जी और आकांक्षा पुरी जी का जोड़ी बवाल मचा रखी है।' एक यूजर ने कमेंट किया, 'आग लगा दी।' एक बोला, 'बहुत ही खतरनाक।' मालूम हो कि आकांक्षा पुरी और खेसारी लाल यादव हाल ही फिल्म 'अग्निपरीक्षा' में नजर आए। इससे पहले दोनों साथ में कई भोजपुरी गाने कर चुके हैं। इनमें 'सरसों के तेलवा', 'लाल घघरी', 'लटक जइबा' और 'राजा हमरा से' जैसे गाने शामिल हैं। दोनों भोजपुरी फिल्म 'लोहा गरम' में भी साथ नजर आए। वैसे, इससे पहले आकांक्षा पुरी और खेसारी के एक वीडियो पर खूब बवाल हुआ था। यह तब की बात है, जब दोनों का एक जिम वीडियो वायरल हुआ था। उसमें वो बहुत ही अतरंग तरीके से वर्कआउट करते नजर आए, जिसे यूजर्स ने आपत्तिजनक बताया था। इस पर जहां खेसारी ने सफाई देते हुए कहा था कि वो वीडियो किसी और ने शूट किया, वहीं आकांक्षा पुरी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह और खेसारी नहीं रुकने वाले। आकांक्षा ने कहा था कि यह कॉन्ट्रोवर्सी रुकने वाली नहीं है। उनके और खेसारी के 10 और गाने आने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और फिर बॉलीवुड में कदम रखे।

बॉलीवुड की यंग फैशन आइकन शनाया कपूर का सीक्विन साड़ी लुक युवाओं के बीच तेजी से ट्रेंड कर रहा है। शिमरी फैब्रिक, स्टाइलिश ब्लाउज और एलिगेंट ड्रेपिंग इसे पार्टी और कॉकटेल इवेंट्स के लिए परफेक्ट बनाती है। एक्सेसरीज के मामले में भी शनाया ने कम, लेकिन क्लासी चॉइस रखी। मिनिमल ईयररिंग्स और सटल मेकअप ने उनके साड़ी लुक को बैलेंस किया है। हेयरस्टाइल को उन्होंने सॉफ्ट वेव्स में रखा जो यंग और फ्रेश वाइब देता है। यही वजह है कि यह लुक ओवरडन नहीं लगता और युवाओं को आसानी से कैरी करने लायक लगता है।

ट्रेडिशनल लुक में ग्लैमर का तड़का

बदलते मौसम में अनारकली सूट पहनते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा बड़ा आराम

भारतीय महिलाओं के पारंपरिक कपड़ों में अनारकली सूट का एक खास स्थान है। यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि आरामदायक भी होता है। बदलते मौसम में सही अनारकली सूट चुनना और पहनना जरूरी होता है, ताकि आप हर मौसम में स्टाइलिश और आरामदायक महसूस करें। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनसे आप बदलते मौसम में भी अनारकली सूट में सुंदर दिख सकती हैं और आराम महसूस कर सकती हैं।

सही कपड़े का चयन करें : बदलते मौसम में कपड़े का चयन सबसे अहम होता है। गर्मियों में हल्के सूती या लिनन के अनारकली सूट अच्छे रहते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखते हैं। बारिश के मौसम में भी सूती या जॉर्जेट के कपड़े अच्छे रहते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि कपड़ा फिसलन भरा न हो। सर्दियों में रेशम या मखमल के अनारकली सूट पहनें, जो आपको गर्माहट देंगे और शाही अंदाज देंगे।

सही रंग चुनें : रंगों का चयन करते समय मौसम को ध्यान में रखें। गर्मियों में सफेद, पीला या हल्का नीला जैसे हल्के रंग चुनें, जो ताजगी का एहसास दिलाते हैं। बारिश के मौसम में नीला, हरा या बैंगनी जैसे गहरे रंग अच्छे लगते हैं, क्योंकि ये बारिश की बूंदों में भी खूबसूरत दिखते हैं। सर्दियों में गहरे लाल, काले या भूरे रंग आपके लुक को खास बना सकते हैं और आपको ठंड से भी बचा सकते हैं।

फिटिंग पर ध्यान दें

अनारकली सूट की फिटिंग बहुत जरूरी होती है। बदलते मौसम में ढीले फिटिंग वाले अनारकली सूट पहनें, ताकि हवा आसानी से गुजर सके और पसीना न फंसे। इसके अलावा ढीला फिटिंग वाला अनारकली सूट आपको आरामदायक महसूस कराएगा और लंबे समय तक पहनने पर भी कोई परेशानी नहीं होगी। ध्यान रखें कि कंधे और कमर की फिटिंग सही हो, ताकि आपका लुक निखर कर आए और आप हर मौसम में स्टाइलिश दिखें।

गहनों से स्टाइल करें

गहने आपके अनारकली सूट को पूरा करते हैं। गर्मियों में हल्के गहने, जैसे झुमके या पतली चेन पहनें, जो आपके लुक को निखार देंगे।बारिश के मौसम में बड़े झुमके या चमकीले रंग की चूड़ियां आपके लुक को खास बना सकती हैं। सर्दियों में भारी गहने, जैसे मोती या कढ़ाई वाले झुमके अच्छे लगते हैं, जो आपके कपड़ों के साथ मेल खाते हैं और आपको एक शाही अंदाज देते हैं।

त्योहारों या अन्य फंक्शन पर आप पहन सकती हैं गहरे नीले रंग के कपड़े

फैशन

गहरा नीला एक ऐसा रंग है, जो भारतीय त्योहारों के दौरान बहुत पसंद किया जा रहा है। यह रंग न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि पारंपरिक और आधुनिकता का बेहतरीन मेल भी है। इस रंग के कपड़े हर रंगत वाली महिलाओं पर अच्छे लगते हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे गहरे नीले रंग के परिधानों के बारे में बताएंगे, जो आपके त्योहारों को खास बना सकते हैं और आपको एक नया लुक दे सकते हैं।

गहरे नीले रंग की साड़ी : गहरे नीले रंग की साड़ी हमेशा से ही महिलाओं के बीच पसंदीदा रही है। यह न केवल पारंपरिक दिखती है, बल्कि इसमें एक अलग ही शान मिलती है। आप इसे किसी भी त्योहार या विशेष अवसर पर पहन सकती हैं। इस रंग की साड़ी के साथ हल्के गहने पहनें, ताकि आपका लुक संतुलित रहे। इसके अलावा आप हल्का मेकअप कर सकती हैं, जिससे आपका चेहरा चमकता हुआ लगेगा और आप हर मौके पर आकर्षक दिखेंगी।

गहरे नीले रंग का कुर्ता सेट : गहरे नीले रंग का कुर्ता सेट भी इस साल बहुत चलन में हैं। ये कुर्ते न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि इन्हें पहनकर आप बहुत ही स्टाइलिश लग सकती हैं। आप इन्हें शादी-समारोहों या किसी भी खास मौके पर पहन सकती हैं। कुर्ते के साथ मेल खाता पायजामा या लंबी स्कर्ट पहनें, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा हल्के गहने और सरल चप्पलें इस लुक को और भी खास बना सकती हैं।

गहरे नीले रंग की लहंगा-चोली : अगर आप शादी या किसी बड़े उत्सव में जाने वाली हैं तो गहरे नीले रंग की लहंगा-चोली एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि इसमें एक शाही अंदाज भी होता है। लहंगा-चोली के साथ भारी गहने पहनें, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इसके अलावा हल्का मेकअप करें, जिससे आपका चेहरा चमकता हुआ लगेगा। इस परिधान के साथ हील वाली सैंडल ही अच्छी लगती हैं।

गहरे नीले रंग की कुर्ती और प्लाजो : आजकल प्लाजो पैंट बहुत चलन में हैं और गहरे नीले रंग की कुर्ती के साथ इसे पहनना एक नया चलन बन गया है। यह पहनावा न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक आधुनिक लुक भी देता है। आप इसे किसी भी छोटे-मोटे त्योहार या पार्टी में पहन सकती हैं। यह परिधान

सूती बनाम लिनन: इन दोनों कपड़ों के बीच है अंतर, मगर पहनने में आरामदायक व स्टाइलिश

कपड़े पहनने में आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश दिखने की चाहत हर किसी को होती है, खासकर जब बात गर्मियों की हो तो सही कपड़े चुनना ज्यादा जरूरी हो जाता है क्योंकि इनसे न केवल आपका लुक बल्कि आपके पूरे दिन का मूड भी प्रभावित होता है। इस लेख में हम सूती और लिनन कपड़ों के बारे में जानते हैं, जिससे आप समझ सकें कि आपके लिए कौन-सा कपड़ा बेहतर है।

सूती कपड़ों की खासियत : सूती कपड़े प्राकृतिक धागों से बने होते हैं, जो पहनने में आरामदायक और त्वचा को ठंडक देते हैं। ये कपड़े हल्के होते हैं और इन्हें पहनने से शरीर को हवा लगती रहती है, जिससे गर्मियों में ठंडक महसूस होती है। सूती कपड़े मुलायम होते हैं और इन्हें रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। इन्हें धोना भी आसान होता है और ये मशीन में भी धुल सकते हैं। सूती कपड़ों के कई रंग और डिजाइन उपलब्ध होते हैं।

लिनन कपड़ों का आकर्षण

लिनन कपड़े भी प्राकृतिक धागों से बने होते हैं, लेकिन इनकी बनावट थोड़ी खुरदरी होती है और इनमें हल्की झुर्रियां होती हैं, जो इन्हें खास लुक देती हैं। लिनन कपड़े बहुत हल्के होते हैं और इन्हें पहनने से शरीर को ठंडक मिलती है। हालांकि, लिनन कपड़ों की देखभाल थोड़ी मुश्किल हो सकती है क्योंकि इन्हें हाथ से धोना पड़ता है और इन्हें प्रेस करना पड़ता है ताकि ये सही दिखें।

दोनों कपड़ों के बीच का अंतर

सूती और लिनन कपड़ों में मुख्य अंतर उनके धागों की संरचना का होता है। सूती कपड़े पूरी तरह से मुलायम होते हैं, जबकि लिनन कपड़ों में छोटे-छोटे धागों का मिश्रण होता है, जिससे ये खुरदरे लगते हैं। लिनन कपड़ों में हल्की झुर्रियां रहती हैं, जबकि सूती कपड़े ऐसे नहीं होते। यह अंतर उनकी देखभाल के तरीके में भी दिखता है, जहां सूती कपड़े आसानी से धोए जा सकते हैं।

अपने पारंपरिक परिधानों के साथ पहनें लेटेस्ट तरह की पायल, सुंदरता में लगेंगे चार चांद

पायल भारतीय महिलाओं के पैरों की सुंदरता को बढ़ाने वाला पारंपरिक गहना है। यह न केवल पारंपरिक परिधान के साथ, बल्कि आधुनिक कपड़ों के साथ भी अच्छी लगती है। वसंत ऋतु में हल्के कपड़ों का चलन होता है और ऐसे में पायल आपके लुक को खास बना सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी पायल के बारे में बताते हैं, जो वसंत ऋतु के दौरान आपके हर परिधान के साथ अच्छी लगेंगी।

चांदी की पायल : चांदी की पायल भारतीय संस्कृति में बहुत अहमियत रखती हैं। ये न केवल श्रृंगार का हिस्सा हैं, बल्कि इनके बिना कोई भी लुक पूरा नहीं हो सकता है। चांदी की पायल की खासियत यह है कि ये हर रंग के

कपड़ों के साथ मेल खाती हैं। इन्हें आप सूट, साड़ी या जींस-टॉप जैसे किसी भी परिधान के साथ पहन सकती हैं। चांदी की पायल का सरल डिजाइन उन्हें हर मौके के लिए उपयुक्त बनाता है।

मोती की पायल : मोती की पायल अपने सरल, लेकिन आकर्षक डिजाइन के लिए जानी जाती हैं। ये खासतौर पर शादी-ब्याह जैसे अवसरों पर पहनी जाती हैं। मोती की पायल को आप लहंगा-चोली या साड़ी के साथ पहन सकती हैं। ये आपके पैरों को एक नाजुक और आकर्षक लुक देती हैं।

मोती की पायल का सफेद रंग हर रंग के कपड़ों के साथ मेल खाता है, जिससे आपका पूरा लुक और भी खास लगता है।

रंगीन पत्थरों वाली पायल : अगर आप कुछ अलग चाहती हैं तो रंगीन पत्थरों वाली पायल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं। इन पायल में अलग-अलग रंगों के पत्थरों का उपयोग किया जाता है, जो इन्हें बहुत आकर्षक बनाते हैं। आप इन्हें किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकती हैं।

कार्नर न्यूज

हल्के रंग के कपड़े पहनने से गर्मी कम लगती है

गर्मियों में पुरुष रोजमर्रा के लिए करें हल्के आरामदायक और बेहतरीन कपड़ों का उपयोग

गर्मियों में कपड़े चुनते समय सबसे ज्यादा ध्यान आराम और स्टाइल पर देना चाहिए। इस मौसम में हल्के और सांस लेने वाले कपड़े सबसे अच्छे होते हैं। इसके अलावा हल्के रंग के कपड़े पहनने से गर्मी कम लगती है। इस लेख में हम पुरुषों के लिए रोजमर्रा के उपयोग के लिए कपड़े के विकल्प बताएंगे, जो न केवल आरामदायक हैं बल्कि स्टाइलिश भी।

प्रिंटेड शर्ट और जींस का मेल

प्रिंटेड शर्ट और जींस का मेल हमेशा से ही पसंदीदा रहा है। प्रिंटेड शर्ट में फूलों या ज्योमेट्रिक डिजाइन चुनें, जो आपको एक ताजगी भरा लुक देगा। हल्के रंगों की शर्ट जैसे हल्का नीला या सफेद रंग की शर्ट गर्मियों में बहुत अच्छा लगता है। इसे आप किसी भी रंग की जींस के साथ पहन सकते हैं। यह लुक न केवल आरामदायक है बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाएगा, जिससे आप हर मौके पर बेहतरीन दिखेंगे।

पोलो टी-शर्ट और हल्की पैंट

पोलो टी-शर्ट्स एक बढ़िया विकल्प हैं, जो आपको आरामदायक महसूस कराती हैं और स्टाइलिश भी दिखाती हैं। इन्हें आप किसी भी रंग की हल्की पैंट के साथ पहन सकते हैं, लेकिन हल्के रंग जैसे सफेद या बेज रंग ज्यादा अच्छे लगते हैं। पोलो टी-शर्ट्स में धारियां या छोटे डिजाइन भी अच्छे लगते हैं, जो आपके लुक को खास बनाते हैं।

लिनन शर्ट और लिनन पैंट

लिनन कपड़े बहुत हल्के होते हैं और गर्मियों के लिए एकदम सही होते हैं। लिनन की शर्ट और पैंट्स का मेल आपको एक ताजगी भरा लुक देगा। सफेद या हल्के नीले रंग की लिनन शर्ट्स सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं क्योंकि ये आपको ठंडक महसूस कराती हैं। पैंट्स में भी हल्के रंगों का चयन करें ताकि आपका लुक पूरा हो सके। इस तरह की पोशाक न केवल आरामदायक है बल्कि हर मौके पर आपको आकर्षक भी बनाएगी।

हवाई चप्पलें और टोपी

गर्मियों में जूते चुनते समय आराम सबसे अहम होता है। हवाई चप्पलें आपके पैरों को हवा लगने देती हैं जिससे वे तरोताजा रहते हैं।इसके अलावा टोपी पहनकर आप धूप से बच सकते हैं और साथ ही स्टाइलिश भी दिख सकते हैं। टोपी में हल्के रंग चुनें जैसे सफेद या हल्के नीले, जो आपके पूरे लुक को पूरा करेंगे। इस तरह की जूते और एक्सेसरीज न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएंगी बल्कि हर मौके पर आपको आकर्षक भी बनाएंगी।